साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 165 | जौनपुर, सोमवार, 11 मार्च 2024 | साान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

शख्स के बोरवेल में गिरने के बाद एक्शन में सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में एक युवक के बोरवेल में गिरने की घटना के बाद केजरीवाल सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। दिल्ली सरकार ने अपने एक आदेश में कहा कि दिल्ली के सभी बोरवेल 48 घंटे के अंदर बंद किए जाएं। दिल्ली जल बोर्ड के केशोपुर मंडी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में बने 40–45 फुट गहरे बोरवेल में एक शख्स शनिवार रात को गिर गया। शख्स को बोरवेल से सही सलामत निकालन के लिए रेस्क्यू ऑपरेश चलाया गया। इसके बाद रविवार शाम को शख्स को घायल हालत में बोरवेल से निकाला गया। वहीं, इलाज के लिए उसे डीडीयू अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। दिल्ली जल बोर्ड के सभी अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि जो भी इस बोरवेल की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार थे, उन सभी पर कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली सरकार ने कहा कि अगले 48 घंटे के अंदर दिल्ली के सभी खुले पड़े बोरवेल को सील किया जाएगा। इस मामले में जल मंत्री आतिशी ने कहा कि केशोपुर में एक व्यक्ति के बोरबेल में गिरने की घटना सामने आई है। मौके पर पहुंचकर मैंने स्थिति का मुआयना किया। बोरवेल एक तालाबंद बंद कमरे में था।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को विश्वस्तरीय बनाने की योजना, चरणबद्ध तरीके से होगा पुनर्विकास

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को विश्वस्तरीय बनाने की योजना अब चरणबद्ध तरीके से लागू की जाएगी। स्टेशन के पहाड़गंज की तरफ मल्टी मॉडल ट्रांजिट हब बनाने के लिए भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) ने 440 करोड़ की निविदा निकाली है। इससे पहले स्टेशन के विकास का काम एक साथ करने के लिए कोई एजेंसी नहीं मिली थी। ऐसे में इस महत्वपूर्ण स्टेशन के पुनर्विकास की प्रक्रिया में बदलाव करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत पूरे काम को छोटे–छोटे हिस्से में विभाजित कर निर्माण कार्य किया जाएगा। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में प्रवेश के लिए दो प्रमुख बिंदु हैं। एक अजमेरी गेट और दूसरा पहाड़गंज की तरफ है। वैसे तो दोनों तरफ ही यातायात का दबाव है। लेकिन पहाड़गंज की ओर से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन तक पहुंचना बहुत कठिन है, क्योंकि यहां बसों के रुकने के लिए जगह नहीं है। प्रवेश द्वार के पास ही टी प्वाइंट है। इस स्थिति में यहां हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है। योजना के तहत पहाड़गंज से नई दिल्ली स्टेशन के क्षेत्र के पास मल्टी मॉडल ट्रांजिट हब बनाया जाएगा। इससे यात्रियों को स्टेशन तक पहुंचने में आसानी होने के साथ ही जाम से भी छुटकारा मिलेगा।

आठ हजार युवाओं को मिला जॉब ऑफर, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने चयनित युवाओं को दिए सर्टिफिकेट

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में रविवार को कौशल महोत्सव रोजगार मेले का समापन हुआ। मुख्य अतिथि ऑफर सर्टिफिकेट दिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि रोजगार से युवाओं के बेहतर भविष्य व उनके परिवार की जीवन शैली में सुधार होगा।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रोजगार मेले में चयनित युवाओं को जॉब

उन्होंने कहा कि युवाओं को खुद के साथ माता–पिता का भी ध्यान रखना चाहिए। कार्यक्रम समापन में रक्षामंत्री के साथ डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशार, मुख्य संयोजक नीरज सिंह मंच पर मौजूद रहे। कार्यकम संयोजक नीरज सिंह ने कहा कि पिछले साल पांच हजार से अधिक युवाओं को नौकरी दी गई। इस बार आठ हजार से अधिक युवाओं को विभिन्न पदों पर जॉब ऑफर दिये गये। युवाओं को बेहतर रोजगार मिले इसके लिए केंद्र व प्रदेश सरकार सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। वह दिन दूर नहीं जब युवा नौकरी मांगने की बजाय नौकरी देने वाले बनेंगे। रोजगार मेले में लखनऊ सहित पूरे प्रदेश के युवा उमड़े। अमेजॉन, एग्रो, जिओ, एसबीआई कार्ड बजाज, कैपिटल, फ्लिपकार्ट एक्सिस बैंक, हुंडई मोटर, इंडिगो, डोमिनोज, लुलु इंडिया शॉपिंग मॉल, मैक्स लाइफ श्रीराम फाइनेंस, वी–मार्ट जैसी कंपनियों ने प्रतिभाग किया। पहले दिन 8500 से अधिक युवाओं ने प्रतिभाग किया। जबकि 2748 से अधिक उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया गया। आयोजन के लिए एमबीए, आईटीआई, डिप्लोमा होल्डर्स, ग्रेजुएट, इंटरमी डिएट और हाईस्कूल सहित विभिन्न शैक्षिक योग्यता वाले युवाओं ने पंजीकरण कराया। यह मेला पी एम के के, पीएमकेवीवाई, अप्रेंटिस शिप और कई कौशल विकास योजनाओं से संबंधित उम्मीदवारों के लिए भी खुला रहेगा।

देश में समानता बनाए रखने के लिए भाईचारे की भावना महत्वपूर्ण – सीजेआई

राजस्थान, एजेंसी। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने कहा कि देश में एक–दूसरे का सम्मान करते हुए समानता और भाईचारे की भावना बनाए रखने की जरूरत है। कानून मंत्रालय के तत्वावधान में यहां आयोजित कार्यक्रम हमारा संविधान, हमारा सम्मान को संबोधित करते हुए सीजेआई ने कहा कि देश में समानता बनाए रखने के लिए भाईचारे की भावना बहुत महत्वपूर्ण है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने सवाल किया, संविधान की भावना के अनुसार, हम सभी को एक–दूसरे का सम्मान करना चाहिए। अगर लोग आपस में लड़ेंगे तो देश कैसे प्रगति करेगा। प्रधान न्यायाधीश ने यह भी कहा कि संविधान निर्माताओं ने मानवीय गरिमा को सर्वोच्च स्थान दिया है। उन्होंने कहा, ष्बाबा साहेब अंबेडकर ने यह सुनिश्चित किया था कि न्याय, स्वतंत्रता और समानता

के मूल्यों के साथ–साथ भाईचारे की भावना और व्यक्ति की गरिमा को संविधान में बरकरार रखा जाए। यहां महाराजा गंगा सिंह विश्व विद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सीजेआई ने यह भी कहा कि लोकतंत्र और भारत के संविधान के बीच एक संबंध है। उन्होंने कहा, संविधान को समझने से लोकतंत्र की समझ भी विकसित और पोषित होती है।

भाजपा के दबाव के आगे न झुकने के लिए अरुण गोयल को सलाम – सीएम ममता बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी। निर्वाचन आयुक्त अरुण गोयल के पद से इस्तीफा देने के एक दिन बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दबाव के आगे ''न झुकने'' के लिए उनकी सराहना की और कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा की हार होगी। यहां ब्रिगेड परेड मैदान में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की एक रैली में बनर्जी ने कहा कि गोयल का अचानक इस्तीफा साबित करता है कि ''भाजपा लोकसभा चुनावों में वोट लूटने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, ''पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनावों और सुरक्षा बलों की तैनाती के संबंध में दिल्ली के नेताओं (भाजपा के) और उनके शीर्ष आकाओं के दबाव के आगे न झुकने के लिए मैं अरुण गोयल को सलाम करती हूं। यह साबित हो गया है कि वे चुनाव के नाम पर क्या करना चाहते हैं। वे वोट लूटना चाहते हैं।''

निर्वाचन आयुक्त अरुण गोयल ने 2024 के लोकसभा चुनावों के कार्यक्रम की अपेक्षित घोषणा से कुछ दिन पहले शनिवार को इस्तीफा दे दिया। गोयल का कार्यकाल 5 दिसंबर, 2027 तक था और अगले साल फरवरी में मौजूदा मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार के सेवानिवृत्त होने के बाद वह सीईसी बन जाते। पश्चिम बंगाल में केंद्रीय धन की हेराफेरी के आरोपों को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए टीएमसी प्रमुख ने कहा, ''प्रधानमंत्री को बंगाल के खिलाफ निराधार आरोप लगाने से पहले अधिकारियों के साथ तथ्यों की जांच करनी चाहिए।'' बनर्जी ने कहा, ''वह केवल बंगाल में परियोजनाओं का उद्घाटन कर रहे हैं लेकिन राज्य के लिए धन जारी नहीं कर रहे हैं। यही उनकी गारंटी है। उन्होंने सभी झूठे वादे किये हैं। टीएमसी ने रविवार को 42 लोकसभा सीट के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची की घोषणा की और कोलकाता के ब्रिगेड परेड मैदान में विशाल रैली से अपना चुनाव अभियान शुरू किया।

जल संकट पर भाजपा के रचनात्मक सुझाव स्वीकार करने के लिए हम तैयार - शिवकुमार

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि अगर विपक्ष के सुझाव रचनात्मक हों तो वह उन्हें स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। शिवकुमार ने बात करते हुए कहा, षविपक्षी दलों को आलोचना करने के अलावा कुछ भी नहीं पता है। फिर भी यदि वे कोई रचनात्मक सुझाव देते हैं, तो हम निश्चित रूप से उन पर विचार करने के लिए तैयार हैं। राज्य के इतिहास में पहली बार हमने निजी जल टैंकरों को कब्जे में लेकर जल माफिया से मुकाबला किया है। उन्होंने कहा, ष्शहर में लगभग 50 फीसदी बोरवेल सूख गए हैं। हमने शहर के बाहर के स्रोतों से पानी लेकर हजारों निजी टैंकरों के जरिए आपूर्ति करने का फैसला किया है। पानी का

मूल्य निर्धारण हमने अधिकारियों पर छोड़ दिया है। अप्रयुक्त दूध टैंकरों का उपयोग पानी पहुंचाने के लिए किया जाएगा। डिप्टी सीएम ने कहा, मीडिया इस पर चिंता जता रहा है। यह वास्तव में एक संकट है जब बड़ी संख्या में बोरवेल सूख गए हैं। हमने इसे संबोधित करने के लिए कदम उठाए हैं। जनता को कार धोने आदि के लिए पानी का व्यर्थ उपयोग नहीं करना चाहिए। यह महत्वपूर्ण है कि लोग इसका मूल्य समझें पानी की। यही कारण है कि हम मेकेदातु परियोजना का प्रस्ताव दे रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि सरकार पानी क्यों नहीं प्राप्त कर पा रही है, जबकि निजी जल टैंकर बड़ी मात्रा में आपूर्ति का प्रबंधन कर रहे हैं, उन्होंने कहा, निजी जल टैंकर निजी बोरवेल से पानी की आपूर्ति करते हैं, जबकि सरकारी टैंकर पेयजल इकाइयों से पानी लेकर आपूर्ति करते हैं। यह पूछे जाने पर कि बेंगलुरु ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक नोडल अधिकारी क्यों नियुक्त किया गया है और अन्य के लिए नहीं, शिवकुमार ने कहा, ''बेंगलुरु ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वार्ड पानी के लिए बोरवेल पर निर्भर हैं। इससे पहले, कर्नाटक के नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) आर. अशोक ने शनिवार को कहा कि बेंगलुरु के जल संकट ने वैश्विक स्तर पर शहर की छवि को नुकसान पहुंचाया है।

प्रधानमंत्री मोदी लोगों की भलाई के लिए क्या सोचते हैं, आम चुनाव में यह मायने रखेगा – कपिल सिब्बल

नयी दिल्ली। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने रविवार को कहा कि लोकसभा चुनाव के केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी होंगे और वह देश के लोगों की भलाई के लिए क्या सोचते हैं, यह चुनाव में मायने रखेगा। सिब्बल ने 'पीटीआई' के साथ एक वीडियो साक्षात्कार में यह भी कहा कि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन को एक संयुक्त दृष्टि दस्तावेज लाने की जरूरत है, जिसमें बताया जाए कि देश के सामने कौन से प्रमुख मुद्दे हैं जिनका समाधान किये जाने की आवश्यकता है। सिब्बल ने चुटकी लेते हुए कहा, ''मुझे नहीं पता कि पिक्चर बाकी है या नहीं, लेकिन जो पिक्चर चल रही है वह देश के लिए ठीक नहीं है।'' जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में चले जाने और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी द्वारा उनकी पार्टी के अकेले चुनाव लड़ने पर जोर से 'इंडिया' गठबंधन के राह भटकने के बारे में पूछे जाने पर सिब्बल ने कहा कि बनर्जी के साथ बातचीत अभी भी जारी है और यह कोई मुद्दा नहीं है। राज्यसभा सदस्य ने कहा, ''जहां तक नीतीश कुमार का सवाल है, आज इस देश में राजनीति की प्रकृति यह सब होने की अनुमति देती है, कोई किसी पर भरोसा नहीं करता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राजनीति का स्तर निचले स्तर पर पहुंच गया है...।'' उन्होंने कहा, ''जब तक इस तरह की राजनीति भारत में फलती–फूलती रहेगी, मुझे नहीं लगता कि हमें उन लोगों तक जरूरी चीजें पहुंचने की ज्यादा उम्मीद है जो निचले पायदान पर हैं।'' सिब्बल

ने विश्वास व्यक्त किया कि 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के पास लोकसभा चुनावों में भाजपा से मुकाबला करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन क्षेत्रों में विपक्ष किस तरह के उम्मीदवारों को खड़ा करता है और वह किस तरह का विमर्श पेश करेगा, उसके आधार पर लड़ाई लड़ी जाएगी। विपक्षी दलों के बीच सीट बंटवारा जल्द पूरा होने की उम्मीद करते हुए सिब्बल ने कहा कि उन्हें एक साथ मिलकर एक विमर्श बनाना होगा जिसके साथ वे इस चुनाव के दौरान लोगों को उनके लिए वोट करने को लेकर राजी कर सकें। उन्होंने कहा कि यह विमर्श अभी बनना शुरू नहीं हुआ है। सिब्बल ने कहा कि 'इंडिया' को भविष्य के लिए एक ऐसे दृष्टिकोण की जरूरत है जो भाजपा के नजरिये से अलग हो। यह पूछे जाने पर कि क्या विपक्षी दलों को एक संयुक्त दृष्टि दस्तावेज लाने की आवश्यकता है, सिब्बल ने कहा, ''मुझे लगता है कि उनके पास ऐसा कुछ होना चाहिए। मुझे लगता है कि वे एक संयुक्त न्यूनतम कार्यक्रम के बारे में बात कर रहे हैं। मेरे अनुसार, एक संयुक्त न्यूनतम कार्यक्रम काफी नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''यह एक न्यूनतम कार्यक्रम होगा, जो आप करेंगे। व्यापक दृष्टिकोण यह है कि इस देश के सामने क्या मुद्दे हैं, जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है।'' सिब्बल ने कहा कि दृष्टि दस्तावेज में 50, 40 या 30 मुद्दे होने की जरूरत नहीं है, सिर्फ पांच प्रमुख मुद्दे पर्याप्त होंगे जिन पर ध्यान देने की जरूरत है और जो भाजपा के दावों से अलग हो। उन्होंने कहा कि इस देश के वास्तविक मुद्दों में बड़े पैमाने पर बेरोजगारी, शिक्षा की कमी, शिक्षा और स्वास्थ्य के माध्यम से सशक्तीकरण शामिल हैं। उन्होंने दावा किया कि लोगों के वास्तविक मुद्दों का समाधान नहीं किया जा रहा है। कांग्रेस के पूर्व नेता ने कहा, ''मीडिया के माध्यम से ऐसा कहा जा रहा है कि मानो हम पहले से ही विकसित भारत के शिखर पर हैं, लेकिन सच तो यह है कि ब्रिक्स देशों में भी हमारी प्रति व्यक्ति आय सबसे कम है।'' उत्तर भारत में राम मंदिर की लहर का मुकाबला कैसे किया जा सकता है, इस पर उन्होंने सवाल किया कि इसका मुकाबला क्यों किया जाना चाहिए क्योंकि भगवान राम हमारे दिलों में बसते हैं। उन्होंने कहा, ''भगवान राम हमें क्या कहते हैं? सही काम करने के लिए। भगवान राम के मूल्य क्या हैं? सत्ता में मौजूद सरकार से भगवान राम के मूल्यों को अपनाने के लिए कहें। वे (भाजपा) भगवान राम की बात करते हैं और भगवान राम के सभी मूल्यों का उल्लंघन करते हैं। इसके लिए खड़े हों। हमें लोगों को यही बताने की जरूरत है।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस दावे के बारे में पूछे जाने पर कि भाजपा को कम से कम 370 सीट मिलेंगी और राजग 400 का आंकड़ा पार कर जाएगा, सिब्बल ने कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के पास शायद इस संबंध में उनसे अधिक जानकारी है। सिब्बल ने सरकार पर हमला करते हुए कहा, ''मुझे लगता है कि वह (मोदी) जानते हैं कि मशीनें क्या करेंगी। अगर वह ऐसा कहते हैं, अगर वह 370 या 400 कहते हैं, तो उन्हें बहुत निश्चित होना चाहिए या उन्हें पता होगा कि लोग कैसे वोट देंगे, मशीनें वोट कैसे गिनेंगी और यह सब 400 के रूप में बाहर आएगा।'' उन्होंने कहा।

पीएम नरेंद्र मोदी ने नए टर्मिनल टी-3 का शुभारंभ किया

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का शुभारंभ हो गया है। इस टर्मिनल को टी–3 के नाम से जाना जाएगा। नए टर्मिनल टी–3 का पीएम नरेंद्र मोदी ने आजमगढ़ से रिमोट से शुभारंभ किया। इसी के साथ–साथ उन्होंने लखनऊ से यूपी के पांच जिलों की सस्ती उड़ानों का भी शुभारंभ किया। अमौसी एयरपोर्ट पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रक्षामंत्री व लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह, नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, सरोजनी नगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह व निदेशक करन अदाणी उपस्थित रहे। अमौसी एयरपोर्ट प्रशासन ने बताया कि नए टर्मिनल का निर्माण कार्य कोविड के पहले शुरू हुआ था, पर कोरोनाकाल की वजह से सुस्त हो गया था। इसका निर्माण कार्य 1400 करोड़ से शुरू हुआ था, जिसकी लागत बढ़कर 3900 करोड़ रुपये पहुंच गई है। टर्मिनल का एक हिस्सा बनकर तैयार हो गया है। शेष कार्य पूरा होने में समय लगेगा। ऐसे में टर्मिनल के तैयार हो चुके हिस्से का शुभारंभ किया जाएगा। अमौसी एयरपोर्ट के नए टर्मिनल को जर्मनी के फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट की तर्ज पर बनाया जा रहा है। इसका लुक बेहद खास है। हाल ही टर्मिनल का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जो यात्रियों को बहुत पसंद आई। इंटीरियर से लेकर यात्री सुविधाओं तक पर विशेष रूप से कार्य किया गया है। नए टर्मिनल टी–3 के पूरी तरह तैयार हो जाने के बाद अमौसी एयरपोर्ट की क्षमता बढ़ जाएगी। इस टर्मिनल को 1,15,000 वर्गमीटर जमीन पर बनाया जा रहा है। इसके तैयार होने पर सालाना 1.30 करोड़ यात्रियों की आवाजाही हो सकेगी। यह टर्मिनल एक साथ 4000 यात्रियों को होल्ड कर सकेगा। इतना ही नहीं टर्मिनल पर 14 एयरोब्रिज, 30 लिफ्ट होंगी। यहां से 3200 घरेलू व 800 अंतर राष्ट्रीय उड़ानों का संचालन हो सकेगा। टर्मिनल के बाहर 1500 वाहनों के लिए मल्टीलेवल पार्किंग भी बन रही है।

2014 से पहले अंधकार युग में था देश – मुख्यमंत्री योगी

जौनपुर, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को रामपुर मचिया में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 से पहले देश में अंधकार युग का वातावरण था। चारों तरफ अविश्वास का माहौल था, भारतीयों का गिरता हुआ सम्मान, घोटालों की लंबी श्रृंखला, अराजकता, नक्सलवाद और उग्रवाद भारत की नियती बन चुकी थी। आज आप जिस भारत का दर्शन कर रहे हैं वो एक नया भारत है। यहां सुरक्षा की गारंटी है, संस्कृति का संवर्धन किया जा रहा है और देश आर्थिक समृद्धि का कीर्तिमान गढ़ रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने 743 करोड़ की 78 विकास

परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में देश तीसरी बड़ी ताकत बनने जा रहा है, इसमें कहीं कोई संशय नहीं है। डबल इंजन की सरकार नौजवानों की आजीविका और जनता की आस्था का सम्मान करती है। सरकार की ताकत का ही परिणाम है कि चंदौली में मेडिकल कॉलेज बनकर तैयार है। उन्होंने पिछली सरकारों पर हमला बोलते हुए कहा कि 1997 में चंदौली जनपद बनाया गया था, मगर 27 साल बीतने के बाद भी यहां न पुलिस लाइन दी गई, न तहसील में आवासीय और अनावासीय भवन।

संपादकीय

कांग्रेस को चुनावों में बनाओ या बिगाड़ो का सामना करना पड़ा

इतिहास हमें बताता है कि महाकाव्य लड़ाइयों के परिणाम पैमाने और गति से परिभाषित और निर्धारित होते हैं। 2024 का चुनाव सर्वव्यापी नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा और खंडित, अक्सर राजनीतिक रूप से निष्क्रिय विपक्ष के बीच एक मुकाबला है। लोकतंत्र में आश्चर्य या चमत्कार की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। डेविड बनाम गोलियथ की स्थिति है जहां दलित व्यक्ति, गोफन और पत्थरों से लैस होकर, एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी पर विजय प्राप्त करता है। कांग्रेस पार्टी को अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए किसी चमत्कार से कहीं अधिक की आवश्यकता होगी। कांग्रेस इस श्बनाओ या तोड़ोश प्रतियोगिता में दिमाग की जगह के लिए संघर्ष कर रही है। भारत जोड़ो न्याय यात्रा ने राहुल गांधी और पार्टी के लिए तर्क का एक ढांचा तैयार किया है। इसने शिकायतों और पीड़ितों की पहचान की है, और सोशल मीडिया और जमीन पर चर्चिलियन अंदाज में भाजपा के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही है। इस हफ्ते, पार्टी को राजनीतिक अर्थव्यवस्था में एक कच्ची तंत्रिका मिली और उसने युवाओं के लिए एक नई डील की घोषणा की – 30 लाख सरकारी नौकरियां, स्नातकों और डिप्लोमा धारकों के लिए 1 लाख रुपये की प्रशिक्षु योजना, पेपर लीक की समाप्ति और गिग श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा। यह विचार बहस के लिए है। कांग्रेस के लिए चुनौती अपनी विश्वसनीयता स्थापित करने की है. 2019 में, इसने महिलाओं के लिए सरकारी नौकरियों में एक तिहाई आरक्षण की घोषणा की, लेकिन इस विचार को कांग्रेस शासित राज्यों में तैयार स्वीकृति नहीं मिली। विडंबना यह है कि इसे भाजपा शासित मध्य प्रदेश और उत्तराखंड में जगह मिली। राजनीति के क्षेत्र में, आइकनों द्वारा प्रकाशित विचारों के पदचिह्न से विजेताओं को पराजितों से अलग पहचाना जाता है। कांग्रेस के शासनकाल को जवाहरलाल नेहरू द्वारा परिभाषित किया गया था, जिन्होंने अपनी भौगोलिक और आर्थिक छाप से बड़े भारत का विचार प्रस्तुत किया था, इंदिरा गांधी, जिन्होंने राष्ट्रवाद और कल्याण पर अपनी समानता का निर्माण किया था, और राजीव गांधी के तकनीकी रूप से आधुनिक भारत के दृष्टिकोण को परिभाषित किया था। एक दशक से भी कम समय में, मोदी ने जनता की कल्पना पर विजय प्राप्त कर ली और स्पेक्ट्रम का विस्तार किया। ब्रांड मोदी एक उभरती हुई शक्ति के रूप में भारत के विचार, मजबूत राष्ट्रवाद की अवधारणा, गरीब समर्थक कल्याण के विस्तार और शासन में प्रौद्योगिकी को अपनाने का प्रतिनिधित्व करता है। इसलिए, कांग्रेस को एक नई जगह बनानी होगी। परंपरागत रूप से, कांग्रेस ने सभी लोगों को सभी चीजों का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रतिक्रियाएं तैयार की हैं। इंदिरा गांधी ने सत्ता बनाए रखने के लिए वामपंथ का इस्तेमाल किया। राजीव गांधी ने शाहबानो और शिलान्यास प्रकरणों से स्पष्ट सांस्कृतिक और वैचारिक द्वंद्व को जन्म दिया। इसे वास्तविक राजनीति कहें। इसके विपरीत, पिछले दशक में कांग्रेस को सामाजिक–राजनीतिक रूप से अलग–थलग देखा गया है। उदारीकरण की शुरुआत करने वाली पार्टी होने के बावजूद इसने आर्थिक सुधारों की राह छोड़ दी है। राजनीतिक संबद्धता आसन और व्यापार–बंदों से प्रेरित होती है जो गठबंधन को मजबूत करती है। 2004 में, सोनिया गांधी अपने पड़ोसी राम विलास पासवान और बाद में यूपीए बनाने के लिए कांग्रेस के खिलाफ खड़े होने वाले दलों के एक समूह को बधाई देने और उनसे दोस्ती करने के लिए उनके पास पहुंचीं। 2024 में, इसे इंडिया ब्लॉक के संस्थापकों में से एक के पाला बदलने, टीडीपी जैसे संभावित सहयोगियों के पाला बदलने और टीएमसी द्वारा खेलने से इनकार करने के कारण बदनामी का सामना करना पड़ा है। इसकी तुलना बीजेपी से करें. व्यक्तिगत वित्त से एक वाक्यांश उधार लेकर कहें तो मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा राजनीति को एक व्यवस्थित निवेश योजना के रूप में देखती है। प्रत्येक कदम का उद्देश्य रिटर्न में सुधार करना है। इसने राष्ट्रीय पुरस्कारों से विभिन्न वर्गों और समुदायों को संतुष्ट और आश्वस्त किया है। राजनीति में अस्थिरता की अवधारणा को स्थिर के रूप में लागू करते हुए, इसने नीतीश कुमार को वापस लुभाया, टीडीपी को शामिल किया, और शिवसेना और एनसीपी को विभाजित कर दिया। आप कह सकते हैं कि प्रवासियों ने पूंजी सुरक्षा की मांग की। इस संदर्भ में महत्वपूर्ण बात यह है कि पार्टी और उसके संगठन के मूल में शिथिलता है। अतीत में, कांग्रेसियों का बाहर जाना अपनी पार्टी शुरू करने की महत्वाकांक्षाओं से प्रेरित था। अब वह कारण नहीं है. पिछले दशक में, कांग्रेस के नेता–उन लोगों की तरह जो रोम के खिलाफ अभियान के दौरान हैनिबल के खेमे में चले गए थे–ने जीत की ओर जाने के लिए दलबदल कर लिया है। इस सप्ताह वे लोग भी भाजपा में शामिल होने के लिए कतार में खड़े दिखे जो कभी भी लोकप्रिय वोटों से नहीं चुने गए। बाजार हिस्सेदारी के लिए किसी भी प्रतियोगिता में, पदचिह्न परिणामी होता है। भव्य पुरानी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तेजी से कम श्राष्ट्रीयश होती जा रही है और इसे क्षेत्रीय कोनों में ध ाकेल दिया गया है। पिछले दशक में, दो लोकसभाओं में इसकी संयुक्त संख्या 100 से कम है। दरअसल, भाजपा 18 राज्यों में अपने दम पर या सहयोगियों के साथ सत्ता में है, यानी 290 लोकसभा सीटें। इसकी तुलना में, कांग्रेस केवल 45 से अधिक सीटों वाले राज्यों में सत्ता में है।

कैसे देखते-देखते बदलने लगा कश्मीर

आर.के. सिन्हा

अगर किसी ने फैसला ही कर लिया है कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करना नहीं छोड़ेगा तो बात अलग है, पर हाल ही में उनका (मोदी जी) श्रीनगर यात्रा के समय जिस तरह का उमंग और उत्साह के साथ स्वागत हुआ उससे सारा देश आश्वस्त महसूस कर रहा है। एक यकीन होने लगा है कि अब कश्मीर देश की मुख्यधारा से जुड़ गया है। प्रधानमंत्री मोदी की जनसभा में उमड़ा जनसैलाब अविश्वसनीय था। सभा स्थल बख्शी स्टेडियम में मोदी जी का भाषण सुनने के लिए हजारों लोगों की वक्त से बहुत पहले से ही लाइनें लग गई थीं। इनमें कश्मीरी औरतें भी भारी संख्या में थीं। याद नहीं आता कि जब किसी प्रध ाानमंत्री का घाटी में इतना गर्मजोशी से स्वागत किया गया हो।इसके पहले लगभग चालीस वर्ष पहले पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी का लगभग ऐसा ही स्वागत हुआ था श्रीनगर में । प्रध ाानमंत्री की सभा की समाप्ति के बाद लोगों के चेहरों पर प्रसन्नता और आशा की मिली–जुली रेखाओं को पढ़ा जा सकता था। एक खबरिया टीवी चौनल को स्थानीय निवासी गुलाम भट्ट कह रहे थे, "मुझे यकीन है कि पीएम मोदी हमारी सेवाओं को नियमित कराएंगे। वह अकेले ही इसे पूरा कर सकते हैं। जम्मू–कश्मीर में अब तक सभी सरकारों ने हमसे केवल खोखले वादे किए हैं।"रैली में इतनी बड़ी संख्या में आए लोगों की सुरक्षा के प्रबंधन में स्थानीय पुलिस सबसे आगे थी। जनता ने पुलिस द्वारा बताए गए हर सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया। जम्मू–कश्मीर पुलिस के उप–निरीक्षक सुलेमान खान ने कहा, "यह पीएम मोदी की वजह से हुआ है। अब हमारी वर्दी का सम्मान है। हमने कश्मीर में वह दौर भी देखा है, जब पुलिसकर्मी पत्थरबाजों और राष्ट्र–विरोधी तत्वों के डर से अपना पहचान पत्र नहीं रखते थे। कश्मीर में यह परिवर्तन किसने संभव किया? यह मोदीजी और उनका दृढ़ संकल्प है कि कश्मीर में कानून का शासन वापस आया।" मुझे मेरे कश्मीर में रहने वाले कई मित्रों ने बताया कि रैली के बाद लोग कश्मीर में अपने परिवार और दोस्तों के साथ रैली के बारे में जिस तरह से बातें कर रहे हैं, उससे यह स्पष्ट है कि लोग खुद स्वेच्छा से वहां पहुंचे थे। हजारों लोग गर्व से बता रहे हैं कि उन्होंने बख्शी स्टेडियम में मोदी जी का भाषण सुना।प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस अनुपम अवसर का भरपूर फायदा उठाया। उन्होंने जम्मू–कश्मीर को देश का मुकुट बताते हुए प्रदेश का डेवलपमेंट प्लान सबके सामने रख दिया। उन्होंने कहा कि एक विकसित जम्मू–कश्मीर विकसित भारत की प्राथमिकता है। जम्मू–कश्मीर आज विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है क्योंकि वह खुलकर सांस ले रहा है। ये वो नया जम्मू कश्मीर है, जिसका इंतजार हम सभी को कई दशकों से था। इस नए जम्मू कश्मीर की आंखों में भविष्य की चमक है, इस नए जम्मू कश्मीर के इरादों में चुनौतियों को पार करने का हौसला है। अगर बात प्रधानमंत्री मोदी की रैली से हटकर करें तो कश्मीर की जनता देख रही है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में कितने बदतर हालात हैं। वहां पर दिन में कम से कम दसेक घंटे तक बिजली नहीं आती। वहां रोजगार नाम की कोई चीज नहीं है। सोशल मीडिया के दौर में अब कुछ भी छिपा नहीं है। कश्मीर घाटी की जनता यह भी देख रही है कि पीओके में पाकिस्तान सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ उग्र प्रदर्शन हो रहे हैं। पिछले छह महीनों से महंगाई, अप्रत्याशित बिजली बिल और अन्य करों के विरोध ा में प्रदर्शन जारी है। इतना ही नहीं, वहां पर प्रशासन के खिलाफ सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू हो गया है। बिजली के भारी बिलों और करों को लेकर लोगों का आंदोलन शुरू किया था। इस बीच, अब बहुत साफ है कि जम्मू–कश्मीर में धारा 370 का कोई मसला ही नहीं रहा। एक तरह से आप कह सकते हैं कि राज्य का अवाम अब धारा 370 से आगे निकल चुका है। जैसी कि उम्मीद थी कि इस धारा को हटाए जाने के बाद राज्य का सर्वांगीण विकास और रफ्तार पकड़ लेगा, अब वही हो रहा है। केंद्र सरकार जम्मू–कश्मीर में सबको विश्वास में लेकर ही आगे बढ़ना चाहती है। इसका प्रमाण है कि प्रध ाानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के के 14 शिखर नेताओं से मिल भी चुके हैं। हालांकि अफसोस होता है कि जम्मू–कश्मीर में धारा 370 को हटाने के सवाल पर कांग्रेस का रवैया बेहद खराब रहा है। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह कहते रहे हैं कि केन्द्र में उनकी पार्टी की सरकार आएगी तो वे संविधान के अनुच्छेद 370 को पुनः बहाल कर देंगे। देखिए, आपको कश्मीर घाटी के बदले हुए मिजाज को देखने–समझने के लिए राजधानी के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट में गोवा जाने वाली फ्लाइट के मुसाफिरों को देख लेना चाहिए। यकीन मानिए कि हरेक फ्लाइट में कई कश्मीरी परिवार भी यात्रा कर रहे होते हैं। चूंकि श्रीनगर से गोवा की कोई डायरेक्ट नहीं है तो ये दिल्ली से गोवा मौज–मस्ती के लिए जा रहे होते हैं। यानी जिस कश्मीर में शेष भारत से लोग पहुंचते हैं, वहां के लोग गोवा छुट्टियां मनाने के लिए जाते हैं। यह कश्मीरी गोवा जाने से पहले कुछ दिन दिल्ली में अपने रिश्तेदारों के साथ रहते हैं। यह उसके बाद गोवा जाते हैं। गोवा से वापसी के बाद भी दिल्ली में रूकते हैं। मुझे कुछ कश्मीरियों ने बताया कि उन्हें गोवा का खुला माहौल पसंद आने लगा है। जब कश्मीर जाड़ों में ठिठुर रहा होता है, तो सैकड़ों कश्मीरी गोवा का रुख कर लेते हैं। कश्मीरियों के दिल में बसने लगा है गोवा के बीच (समुद्र का किनारा), वहां की डिशेज और समावेशी समाज। आपको साऊथ और नॉर्थ गोवा के होटलों में हर सीजन में बहुत सारे कश्मीरी परिवार मिलेंगे। जम्मू– कश्मीर बदलता जा रहा है। वहां पर अब पृथकतावादी ताकतों के लिए जगह नहीं है। संविध ाान के दायरे में रहकर आप सरकार से जो चाहें मांग करें। यह आपका हक है। पर वहां या कहीं भी देश विरोधी ताकतों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अब देश का सिर्फ एक लक्ष्य है विकास करना। इस रास्ते में अवरोध खड़ा करने वालों को देश स्वीकार नहीं करेगा।

मेरा पहला वोट देश के लिए

आदित्य

वे अपने साथ युवा शक्ति की बेजोड़ क्षमता रखते हैं। भारत में दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी है, यहां 808 मिलियन से अधिक लोग 35 साल से कम उम्र के हैं, या कुल आबादी का लगभग 66% 25 वर्ष की औसत आयु के साथ, भारत की युवा आबादी युवा लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण वोटिंग ब्लॉक है। पिछले चुनावों की तुलना में कम अंतर युवा वोट के प्रभाव में उल्लेखनीय वृद्धि का संकेत नहीं देता है। भारत में युवा आबादी का एक बड़ा हिस्सा है, जहां औसत आयु अभी भी 30 वर्ष से कम है, और वे अपने साथ ष्युवा शक्तिष् की बेजोड़ क्षमता रखते हैं। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने हाल ही में ष्मेरा पहला वोट देश के लिएष् (देश के लिए मेरा पहला वोट) अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य चुनावों में युवाओं की सार्वभौमिक, प्रबुद्ध भागीदारी को बढ़ावा देना है। इस अभियान का उद्देश्य भारत के पहली बार मतदाताओं को राष्ट्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण संख्या में और समझदारी से मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करना है। वहीं, शिक्षा मंत्रालय ने उच्च शिक्षा संस्थानों में भी यह अभियान चलाया, क्योंकि शिक्षण संस्थानों में ज्यादातर युवा ही हैं. भारत में 18वें लोकसभा चुनाव में 96.88 करोड़ पंजीकृत मतदाताओं के साथ, 2019 की तुलना में मतदाता पंजीकरण में 6: की वृद्धि होने की उम्मीद है। अभियान का उद्देश्य युवा मतदाताओं, विशेष रूप से पहली बार मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित करना है। सरकार ने इस अभियान को युवाओं को लोकतंत्र का सक्रिय सदस्य बनने के लिए जागरूकता अभियान कहा है, लेकिन यह ष्विकसित भारत यात्राष् का ही दूसरा रूप है। हर चुनाव में पहली बार मतदान करने वाले मतदाता होते हैं, लेकिन इस बार उस संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, महाराष्ट्र, केरल और तमिलनाडु सहित कई राज्यों द्वारा जारी अंतिम मतदाता सूचियों के अनुसार, पहली बार मतदाताओं की संख्या में कुछ लाख की वृद्धि हुई है। चीजों को परिप्रेक्ष्य में रखने के लिए, महाराष्ट्र राज्य की कुल 13.5 करोड़ आबादी में से 9.12 करोड़ मतदाता हैं। उन 9.12 करोड़ में से 10.18 लाख पहली बार मतदाता हैं। बिहार में 9.26 लाख मतदाता 18 से 19 वर्ष की आयु के बीच हैं। आंध्र प्रदेश में 5.25 लाख पहली बार मतदाता हैं, जबकि केरल में 1.25 लाख मतदाता हैं। इसका तात्पर्य यह है कि अगर युवा अपने वोट के अधिकार का उपयोग करते हैं, तो अगले लोकसभा चुनाव में उनका योगदान बेहद महत्वपूर्ण होगा। शहरी क्षेत्रों में, भारत का चुनाव आयोग प्रभावी ढंग से मतदाता भागीदारी को बढ़ावा दे रहा है। हालाँकि, राजनीतिक दलों को एक ऐसा एजेंडा विकसित करना चाहिए जो युवा मतदाताओं को आकर्षित करे और उन्हें समर्थन के योग्य बनाए। आख्यानों का निर्माण और सूचना का प्रसार डिजिटल युग द्वारा बदल दिया गया है। डिजिटल अभियान, ऑनलाइन चर्चा बोर्ड और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म विशेष रूप से युवा लोगों के बीच समर्थन को संगठित करने और प्रेरित करने के प्रभावी साधन बन गए हैं। छात्र कार्यशालाओं, सेमिनारों, मतदाता प्रतिज्ञा अभियानों और फ्लैश मॉब के माध्यम से चुनाव प्रक्रिया के बारे में और अधिक व्यस्त और शिक्षित हो सकते हैं। अभियान में एनएसएस स्वयंसेवक और संस्थागत समूह सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। वर्तमान पीढ़ी सोशल मीडिया से अत्यधिक प्रभावित है, जैसा कि 2014 के चुनावों के बाद से हुआ है। हालाँकि, पिछले दस वर्षों में सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं की संख्या में भारी वृद्धि हुई है, जिससे यह युवाओं में मतदान के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने का सबसे प्रभावी उपकरण बन गया है। भारत में युवाओं की बड़ी संख्या हर साल बढ़ती है, जिसके कारण युवा मतदाताओं की संख्या में आधे की वृद्धि हुई है। इसी तरह, हर चुनाव के नतीजे तय करने में युवा मतदाताओं की भूमिका बढ़ती जा रही है। जब सोशल मीडिया नहीं था, तो मतदाता पंजीकरण दरें थोड़ी कम थीं। हालाँकि, प्रौद्योगिकी के आधुनिक युग में, चुनाव आयोग मतदाताओं तक पहुँचने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग कर रहा है, युवाओं और आम जनता दोनों तक पहुँच रहा है। यह कई कार्यक्रमों और मतदाता जागरूकता प्रदर्शनियों की भी मेजबानी कर रहा है। परिणामस्वरूप, मतदाता न केवल मतदान करने के लिए पंजीकरण करा रहे हैं बल्कि दूसरों को भी सूचित कर रहे हैं कि वे निस्संदेह चुनाव में मतदान करेंगे। विशेष रूप से, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के ष्मन की बातष रेडियो कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित किया जाता है, जिससे युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करके मतदाता पंजीकरण बढ़ाने में मदद मिली। लोकतंत्र में युवाओं की भागीदारी चुनाव के दौरान वोट डालने से भी आगे तक जाती है। इसमें राजनीतिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी शामिल है।

2034 तक नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने की वकालत

विनोद

मोदी के उत्तराधिकारी का सवाल फिलहाल टाल दिया गया है। भारतीय जनता पार्टी में कई लोगों का मानना है कि अगर नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी बार जीतते हैं तो अगले पांच वर्षों में यह सवाल उठना तय है। जैसे–जैसे देश आम चुनावों के लिए तैयार हो रहा है, जो तय करेगा कि मोदी दोबारा सत्ता संभालेंगे या नहीं, सत्तारूढ़ दल के कुछ वर्ग इस बड़े सवाल को किनारे करने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए, केंद्रीय रक्षा मंत्री, राजनाथ सिंह ने कहा कि देश में बेरोजगारी और गरीबी की समस्याओं को खत्म करने के लिए लोगों को मोदी को दो और कार्यकाल देने की जरूरत है। इसका तात्पर्य यह है कि सिंह चाहते हैं कि मोदी 2034 तक पीएम बने रहें। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी इसी तरह की बात कही है। 2014 में केंद्र में मोदी के सत्ता में आने के बाद से, भगवा पार्टी ने एक अलिखित नियम अपनाया है जो सक्रिय राजनीति में सेवानिवृत्ति की आयु 75 वर्ष तय करता है। पार्टी में कई लोग सोचते हैं कि मोदी, जो वर्तमान में 73 वर्ष के हैं, 2029 में इस तीसरे कार्यकाल की समाप्ति के बाद पद छोड़ देंगे और एक उत्तराधिकारी को नामित करेंगे। लेकिन मंत्री द्वय द्वारा मोदी के लिए दो और कार्यकालों पर जोर देने से संकेत मिलता है कि निकट भविष्य में उनकी कमान सौंपने की कोई योजना नहीं है। "उसे क्यों चाहिए? पार्टी के एक नेता ने कहा, मोदी अपने से कई युवाओं से ज्यादा फिट हैं और उन पर नियम लागू नहीं किए जा सकते। हालाँकि, कई अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि मंत्रियों की नाराजगी के पीछे असली कारण पार्टी के भीतर उत्पन्न होने वाली किसी भी उत्तराधिकार की लड़ाई को शुरू में ही खत्म करना है। दिलचस्प बात यह है कि अमित शाह को लंबे समय तक मोदी के उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाता था लेकिन अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरे हैं। इसलिए मोदी के उत्तराधिकारी का सवाल फिलहाल टाल दिया गया है। रहस्यमय भाव इन दिनों किसी भी सार्वजनिक रैली या राजनीतिक कार्यक्रम में पहुंचने पर, राष्ट्रीय जनता दल के नेता और बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव एक अनोखा इशारा करते हैं – वह अपना हाथ अपने सिर पर उठाते हैं और उसे तेजी से घुमाते हैं, जैसे कि कोई वस्तु हिला रहे हों। एक तौलिया या रस्सी. इन आयोजनों में एकत्रित भीड़ इस भाव–भंगिमा पर गदगद हो जाती है और तीखी भेड़िया सीटियों के साथ अनुकूल प्रतिक्रिया देती है। तेजस्वी के कुछ समर्थकों का कहना है कि उनका इशारा उन्हें भगवान कृष्ण के सुदर्शन चक्र की याद दिलाता है, जो यादव समुदाय के सदस्य भी थे। दूसरों का कहना है कि तेजस्वी का इशारा अपने विरोधियों को घेरने और उन्हें धूल में मिलाने के आह्वान का प्रतीक है। हालाँकि, सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेता इस इशारे की व्याख्या समाज को अराजकता से बाधित करने के लिए गुंडागर्दी के आह्वान के रूप में कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव से पहले तेजस्वी के रहस्यमय हाव–भाव को लेकर कई तरह की अटकलें चल रही हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक इस पर प्रकाश नहीं डाला है। विघटनकारी रैलियाँ हाल ही में बिहार के औरंगाबाद में नरेंद्र मोदी की रैली के दौरान काले कपड़े, खासकर स्वेटर, जैकेट, मफलर और शॉल पहनने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ा। आयोजकों और सुरक्षा कर्मियों ने बैठक में काली सामग्री पर प्रतिबंध लगा दिया था और उपस्थित लोगों को कार्यक्रम स्थल के अंदर प्रवेश की अनुमति देने से पहले ऐसे कपड़ों को त्यागने के लिए मजबूर किया था, ताकि वे उन्हें विरोध के प्रतीक के रूप में इस्तेमाल न करें। नतीजतन, कई लोग जो अपने परिधान पीछे छोड़ गए थे, रैली खत्म होने के बाद उन्हें नहीं मिल सके, जिससे उन्हें आश्चर्य हुआ कि क्या मोदी काले रंग से डरते थे। यह एकमात्र असुविधा नहीं थी जिसका सामना लोगों को उस दिन करना पड़ा। रैली स्थल व्यस्त राष्ट्रीय राजमार्ग 2 के निकट था। सुरक्षा कारणों से राजमार्ग का एक हिस्सा लगभग तीन घंटे तक यातायात के लिए बंद कर दिया गया, जिससे बड़े पैमाने पर यातायात जाम हो गया। एक अन्य मामले में, पश्चिम चंपारण जिले के बेतिया में प्रधानमंत्री की रैली के लिए जगह बनाने के लिए लगभग 25 एकड़ भूमि, जिसमें गेहूं और मसूर की फसलें शामिल थीं, नष्ट कर दी गईं। हालांकि, बाद में बीजेपी नेताओं ने कहा कि किसानों को उनके नुकसान की भरपाई कर दी गई है।

ई–2024– राज्य के क्षत्रपों के लिए करो या मरो

ललित

यदि शांतिकाल में युद्ध होता है तो वह चुनाव के समय होता है। एक समय, शासक दरबारी ज्योतिषियों की सलाह के अनुसार आक्रमण का समय चुनने के लिए ग्रहों की स्थिति पर निर्भर रहते थे। विडंबना यह है कि चीजें जितनी अधिक बदलती हैं, उतनी ही अधिक वे वैसी ही रहती हैं। टाइकून, बाजार विशेषज्ञ, वैचारिक रूप से संक्रमित बुद्धिजीवी और प्रदूषित पोस्टर जैसे चुनावी पंडित कॉकटेल पार्टियों या टीवी पर अपने लक्षित दर्शकों की भूख बढ़ाने के लिए नंबर गेम खेलते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव की उल्टी गिनती शुरू होते ही नेताओं के उत्थान, पतन, ग्रहण और सफाए की भविष्यवाणी करना उनका शौक बन गया है। कांग्रेस का मृत्युलेख लिखना सामान्य शगल है। नरेंद्र मोदी पहले ही बीजेपी को 370 सीटें मिलने की भविष्यवाणी करते हुए जीत की घोषणा कर चुके हैं. दक्षिणपंथी राय और नकली सर्वेक्षणकर्ता कांग्रेस को 50 से कम सांसद बताते हैं। एक जुझारू राष्ट्रीय पार्टी के अभाव में, यह विपक्ष के क्षेत्रीय राजाओं पर छोड़ दिया गया है कि वे मोदी के रथ को अपनी जागीर में रोकें या विलुप्त होने का सामना करें। 2024 के चुनाव न केवल मोदी 3.0 से संबंधित हैं, बल्कि ममता बनर्जी, शरद पवार, एम के स्टालिन, सिद्धारमैया और रेवंत रेड्डी की क्षेत्रीय विचारध ाराओं के राजनीतिक स्थायित्व से भी संबंधित हैं। यादव वंशजों, अखिलेश और तेजस्वी को यह साबित करना होगा कि वे अपने महान पूर्वजों के योग्य उत्तराधिकारी हैं, जिन्होंने अपने राज्यों को दिग्गजों की तरह फैलाया और प्रधानमंत्रियों के बनने और बिगड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उत्तर भारत में सीधी लड़ाई में कांग्रेस द्वारा भाजपा को उतना ही नुकसान पहुंचाने की संभावना है जितनी एक बुलफिंच एक बाज को नुकसान पहुंचा सकती है। लोकसभा में बहुमत यूपी, बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना, झारखंड, पंजाब और दिल्ली के नतीजों पर निर्भर करेगा। इन राज्यों में 348 लोकसभा सीटें हैं, जिनमें से भाजपा के पास 169 और भारत और उसके वैचारिक सहयोगियों के पास 126 सीटें हैं। शेष सांसद छोटे क्षेत्रीय दलों जैसे बीआरएस, वामपंथी दलों और अन्य से हैं। 2024 के राजनीतिक कैसीनो में अस्तित्व के दांव पर एक नजर। उत्तर प्रदेश 50 वर्षीय पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का भविष्य तय करेगा, जिनके पिता की विशाल हैसियत ने कभी सपा को 36 लोकसभा सीटें और लगभग 60 प्रतिशत विधानसभा सीटें दिलाई थीं। 2012 में, अखिलेश ने राज्य चुनावों में जीत हासिल की, लेकिन उसके बाद से उन्हें चौतरफा हार का सामना करना पड़ रहा है। विडंबना यह है कि वह वही हैं जो मोदी के टीना फैक्टर में श्एश बनकर उभरे हैं। 2019 में, उन्होंने मायावती के साथ गठबंधन किया, जिन्होंने सिर्फ पांच विधानसभा सीटें जीतीं। अब वह राहुल के साथ कूल्हे से जुड़ गए हैं। मोदी और योगी राज्य की 80 सीटों पर 100 फीसदी जीत का दावा कर रहे हैं. क्या अखिलेश की लोकप्रियता रोक पाएगी राम मंदिर के उत्साह की भगवा लहर? मायावती के अलगाव और संदिग्ध राजनीति के साथ, क्या वह पांच सांसदों से दोहरे अंक के क्षेत्र में प्रवेश करेंगे और कांग्रेस को अपनी झोली में जोड़ने में मदद करेंगे? 40 सीटों वाला बिहार अपने राजवंशों की किस्मत में एक नया मोड़ लाएगा। 34 वर्षीय पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव या तो सूर्यास्त की ओर बढ़ सकते हैं या पिता लालू यादव के उपयुक्त उत्तराधिकारी के रूप में सिंहासन पर बैठ सकते हैं, जिन्होंने एक दशक से अधिक समय तक बिहार पर शासन किया था। वर्तमान में, उनकी राष्ट्रीय जनता दल लोकसभा में शून्य है और उसकी सहयोगी कांग्रेस ने 2019 में सिर्फ एक सीट जीती, शेष 39 सीटें भाजपा–नीतीश कुमार कॉम्बो के पास गईं। चूँकि नीतीश ने यो–यो योकेल के रूप में अपनी विश्वसनीयता खो दी है, जूनियर यादव के पास उस स्थान को हासिल करने और राष्ट्रीय खिलाड़ी बनने का मौका है। इस बार मोदी की संख्या को प्रभावित करने में उनके दबदबे की परीक्षा होगी। क्या लालू के बीमार होने के कारण यादव अपने दम पर खाता खोलेंगे? 48 सीटों वाला महाराष्ट्र, राष्ट्रीय पहुंच वाले दोनों स्थानीय सत्ता खिलाड़ियों, शरद पवार और उद्धव ठाकरे की भविष्य की प्रासंगिकता तय करेगा। वे दशकों से महाराष्ट्र की राजनीति पर हावी रहे हैं, लेकिन हाल ही में दलबदल के कारण उन्हें अपनी पार्टियां गंवानी पड़ीं। यह चुनाव तय करेगा कि वे अपने कैडर और संगठनात्मक समर्थन को बरकरार रख पाएंगे या नहीं। 2019 में, पवार – जिनकी पार्टी का नया उपनाम है – ने भाजपा–शिवसेना गठबंधन के खिलाफ सिर्फ चार सीटें जीतीं। शिवसेना को 18 सीटें मिलींय इसके अधिकांश सांसद अवसरवादी आशावाद की फिसलन भरी मंजिल को पार कर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की वैकल्पिक शिवसेना में शामिल हो गए हैं। पवार भी अपने लगभग सभी विधायकों और सांसदों से वंचित हैं। दोनों नेताओं के करिश्मे पर लगेगा टैक्स! क्या उनका पारंपरिक मतदाता आधार उन्हें कैटबर्ड सीट देगा? क्या पवार सीनियर और ठाकरे जूनियर अपने अतीत के गौरव को पुनः प्राप्त करेंगे या समय के पन्नों में फुटनोट बन जायेंगे? पश्चिम बंगाल ममता बनर्जी और मोदी के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई है। 2019 में, भाजपा ने 18 सीटें और बाद में विधानसभा में 77 सीटें जीतकर टीएमसी को निर्णायक नुकसान पहुंचाया। मोदी ने अपने 370 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए 35 सीटों का लक्ष्य रखा है। पिछले दो वर्षों से पश्चिम बंगाल युद्ध क्षेत्र बना हुआ है। उत्साही ममता ने भाजपा को, जिसे वह श्जमींदारश कहती हैं, पश्चिम बंगाल से बाहर फेंकने की कसम खाई है। क्या वो कर सकती है? उनका व्यक्तिगत अस्तित्व और टीएमसी का भविष्य उनके द्वारा तैयार किए गए आंकड़ों से अनिश्चित रूप से जुड़ा हुआ है। उनकी हार अगले राज्य चुनावों में भगवा मानक को राजनीतिक आसमान में लहराने का मौका देगी। एक जीत का मतलब है कि वह बंगाल की बेताज बादशाह बनी रहेगी।

पीयू गुणात्मक विकास, शैक्षणिक उत्कृष्टता में अग्रणी - प्रो. वंदना सिंह

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज अब शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य सोमवार

को परस्पर समझौते पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। शिक्षा के क्षेत्र में एक दूसरे को सहयोग देने पर दोनों कुलपतियों के बीच सहमति बनीं। साक्षी के तौर पर दोनों विश्वविद्यालय के कुलसचिव गण महेंद्र कुमार, कर्नल विनय कुमार के साथ नोडल अधिकारी डॉ मनोज कुमार पाण्डेय और राजेंद्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर पीयू की कुलपति प्रो. वन्दना सिंह ने कहा कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने निरंतर गुणात्मक और मात्रात्मक विकास, शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों में उत्कृष्टता, पारदर्शी और कुशल शैक्षणिक प्रशासन जैसी विशेषताओं के आधार पर देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों में अपना स्थान बनाया है। आज प्रदेश के एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय के साथ एमओयू के उपरांत अब उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त नई शिक्षा नीति के अंतर्गत डिग्री, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कार्यक्रमों के साथ ही रोजगारपरक कार्यक्रमों का लाभ पूर्वांचल क्षेत्र के विद्यार्थियों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निरंतर मार्गदर्शन में मुक्त विश्वविद्यालय औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ ही महत्वपूर्ण शैक्षिक संस्थानों के साथ एमओयू साइन करके उनकी विशेषताओं से शिक्षार्थियों को लाभान्वित करने की दिशा में कार्य कर रहा है। उप्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में पूर्वांचल विश्वविद्यालय की उत्कृष्टता का लाभ मिलेगा। विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों से जुड़कर छात्र अपने करियर को संवार सकेंगे।

राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर मिश्र दयालु का आगमन 12 मार्च को

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिला मीडिया आमोद कुमार सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार मे राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर मिश्र दयालु कल जौनपुर मे रहेंगे और विभिन्न कार्यक्रम मे भाग लेंगे। उन्होंने आगे बताया कि मंत्री जी सुबह शीतला माता का दर्शन कर सिद्धार्थ उपवन मे कोहोर्ट मिलन एंव विकसित भारत संकल्प पत्र की बैठक लेंगे उसके उपरांत दोपहर 01 बजे रामनगर भड़सरा मे लाभार्थीयो से सम्पर्क करेंगे उसके उपरांत चहारसु चौराहा पर एन०जी०ओ० के कार्यकर्ताओ के साथ बैठक करेंगे फिर सिपाह मे प्रकोष्ठ के कार्यकम मे भाग लेने के उपरांत घर–घर जन सम्पर्क करेगे उसके उपरांत शाम 5 बजे लाइन बाजार स्थित डाक बंगले मे पत्रकारो से प्रेसवार्ता करेंगे।

संस्कृति संरक्षण के लिए जागरूकता जरूरी - प्रो. सीमा सिंह

विज्ञान और संस्कृति का समन्वय करना होगा – प्रो. पाठक
वैश्विक स्तर पर हमारी संस्कृति की पहचान – प्रो. वंदना सिंह
हमारे रग–रग में बसी है संस्कृति – पवन सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के कल्चरल क्लब एवं वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग की ओर से पांच दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन सोमवार को किया गया। यह कार्यशाला संस्कृति विभाग उप्र. के सहयोग से की जा रही है।कार्यशाला संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन, प्रदर्शन, दस्तावेजीकरण पर आधारित है। उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि उप्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि युवा पीढ़ी को संस्कृति के संरक्षण के लिए जागरूक करने की जरूरत है। इसके महत्व को भावी पीढ़ी तक पहुंचाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। आज सोशल मीडिया के माध्यम से हम कई पुरातन संस्कृति से परिचित हो रहे हैं। साथ ही गौरव महसूस कर रहे हैं।

बतौर मुख्य वक्ता मदन मोहन मालवीय पत्रकारिता संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. राम मोहन पाठक ने कहा कि संस्कार संस्कृति पर आधारित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में विज्ञान और संस्कृति का समन्वय जरूरी है, इसे संवाद के माध्यम से समाज से जोड़ने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन में सुगमता संस्कृति के माध्यम से ही लाया जा सकता है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति

प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि हमारी संस्कृति को वैश्विक स्तर पर लोग अपना रहे हैं। इसमें तन–मन को भी स्वस्थ रखने की व्यवस्था योग के माध्यम से है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों आज समय बहुत तेजी से बदल रहा है, इस बदलाव में हमारी भारतीय संस्कृति ही हमें सही मार्ग दिखा सकती है।

मूल सरयू नदी बचाओ आंदोलन के संयोजक पवन कुमार सिंह ने कहा कि संस्कृति हमारे रग–रग में बसी है। लोक संस्कृति ने जातियों के बिखराव को रोककर उनको सम्मान दिया है। उन्होंने विवाह में कोहबर प्रथा पर विस्तार से चर्चा की। कहा कि हमारे देश में नदियों को देवी ग्राम देवता के रूप में देवी, काली के साथ दैत्यों को भी पूजा जाता है। आज हमें संस्कृति से जड़ों को क्षरण से बचाने की जरूरत है।

नई दिल्ली की साहित्यकार डॉ. सोनी पांडेय ने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं को उच्च स्थान दिया गया है। भारतीय संस्कृति के विविध आयामों पर विस्तार से चर्चा की। स्वागत भाषण कार्यशाला के समन्वयक एवं विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्र, संचालन कार्यक्रम संयोजक डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुनील कुमार ने किया। इस अवसर पर नार्थ इंडिया के हिंदी समाचार पत्र के स्वामी डॉ. नथमल टी. बडेवाला को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रो. बीबी तिवारी, प्रो. विक्रम देव शर्मा, डॉ. सुधाकर शुक्ला, डॉ. चंदन सिंह, डॉ. अवध बिहारी सिंह, सोनम विश्वकर्मा, डॉ. सुधीर उपाध्याय, डॉ. विवेक पांडेय, अमित मिश्र, सुरेंद्र कुमार यादव, संस्कार श्रीवास्तव आदि ने भाग लिया।

समाज में उत्कृष्ट कार्य के लिए उर्वशी सिंह नारी रत्न से सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। दिल्ली के सभागार में नारी रत्न सम्मान का आयोजन किया गया, जिसमें समाज में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट अध्यक्ष उर्वशी सिंह को सम्मानित किया। उर्वशी सिंह ने बताया कि आज ये सम्मान पाकर बहुत गौरवांवित महसूस कर रही हूँ उर्वशी ने एक ऐसे समुदाय किन्नर समाज को मुख्य धारा से जोड़ कर एक नई पहल किया है उनके अधिकारों और हितों के लिए लगातार संघर्ष कर रहीं हैं, अलग तरह के कार्यो के लिए समाज में एक अलग पहचान बना ली है, मौजूदा समय में महिला थाना मे कार्यरत है जहा पर उन्होंने अभी कुछ दिन पहले एक विधवा महिला की शादी उसी थाने में कराया, जैसा कि उर्वशी सिंह ने पूरे कोरोना काल महामारी मे निरंतर लोगों की मदद करती रही,जो कि मौजूदा समय में डेंगू बीमारी मे भी सक्रिय रही! जब भी किसी को खून की जरूरत पड़ती हो या कोई मेडिकल समस्या हो या महिलाओं को कोई जरूरत हो तो बिना समय देखे रात दिन एक कर अपने व अपने टीम के स्तर से कार्य करके लोगों की हमेशा मदद करती रहती है। उर्वशी सिँह समय समय पर जागरूकता संदेश और महिलाओं और बच्चियों को आत्म निर्भर बनाने और जागरूक करने के लिए बहुत सारे कार्यक्रम करती रहती है। उन्होंने कहा कि आज महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है जिसके लिए विगत कई वर्षों से महिलाओं और बच्चियों के लिए कार्य कर रही हैं पिछले दिसंबर मे इनके अच्छे और उत्कृष्ट कार्य करने के लिए दिल्ली मे भी इनको अटल बिहारी वाजपेयी सम्मान से भी सम्मानित किया गया। इसके पहले दिल्ली, वाराणसी लखनऊ शहर के अलावा बहुत सारे जगहों पर सम्मानित किया जा चुका हैं द्यउर्वशी सिंह ने कहा कि आज महिलाएं अगर एक दूसरे के साथ कदम से कदम मिलाकर चले तो इस समाज की एक अलग ही तस्वीर दिखेगी।उर्वशी सिंह के एक बार फिर उत्कृष्ट कार्य के लिए दिल्ली मे सम्मानित होने पर ट्रस्ट परिवार ने बधाई देकर स्वागत किया।

आग का शोला बनी बारातियों से भरी बस

बारातियों से भरी बस पर मौत का कहर, हाई टेंशन तार के चपेट में आने से बस में लगी आग, दर्जनों मौत की आशंका।

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

मऊ। मऊ जिले के खिरिया खड़ा गांव से सोमवार को उसे समय हाहाकार मच गया जब बारातियों से भरी बस करंट की चपेट में आ गई और बस धू धू होकर जलने लगी शादी के लिए निकली बारातियों से भरी बस महाहर धाम के पास हाई टेंशन तार के चपेट में आने से आग के गोले में तब्दील हो गई बस में लगभग 50 की संख्या में बाराती सवार थे जानकारी के मुताबिक दर्जनों मौत की आशंका है। मौके पर आला अधिकारी मौजूद हैं। मऊ के खिरिया खड़ा गांव से नंदू पासवान के बेटी की शादी के लिए सुबह जब बारातियों से भरी बस नाचते गाते घर से निकली तो किसी को क्या पता था कि यह शादी की नहीं बल्कि मौत की बारात है और यह उनकी आखिरी सफर होगा। मर्दा थाना क्षेत्र के महाहर मंदिर में शादी के लिए निकली बारातियों से भरी बस 33000 के हाई टेंशन तार के चपेट में आ गई। तार के चपेट में आते ही पूरे बस में आग लग गई और देखते ही देखते हैं बस आग का गोला बन गई आग के शोले ने दर्जनों जिंदगी को एक साथ काल के गाल में समा दिया बारातियों से भरी बस जैसे ही मंदिर के दरवाजे पर पहुंची तो वहां प्रशासन ने बस को अंदर जाने से रोक दिया जिसके बाद बस का ड्राइवर बारातियों से भरी बस को कच्ची सड़क से मंदिर पहुंचने को लेकर आगे बढ़ा और कच्चे रास्ते के ऊपर जा रहे हैं हाई टेंशन तार के चपेट में बस आ गई।इस बड़ी घटना ने शासन प्रशासन में हाहाकार मच गया मौके पर आनन फानन में कई थानों की फोर्स पहुंच कर बचाव कार्य में जुट गई है मृतकों के संख्या की अभी पुष्टि नहीं हो पाई है लेकिन प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार कई दर्जन मौत की आशंका है और कई दर्जन लोगों के झूलस जाने की भी सूचना बताई जा रही है। बस में कुल 50 से 60 बाराती सवार थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर गहरा अशोक व्यक्त करते हुए इस हृदय विदारक घटना का संज्ञान लेते हुए आला अधिकारियों को राहत और बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं साथ ही घायलों के समुचित उपचार के भी निर्देश दिए गए हैं।

विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को किया गया सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पूरी दुनिया के सभी देश चाहे वह विकसित हो या विकासशील मिलकर महिला अधिकारों की बात करते हैं।इसी दिशा में उनके सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक अधिकारों के बारे में चर्चा की जाती है।और साथ ही साथ उनके तरक्की के विविध पहलुओं पर बातें होतीं हैं। जेसीआई जौनपुर चेतना की अध्यक्ष मीरा अग्रहरी ने कहा की आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संगोष्ठी व सम्मान का आयोजन करके भारतीय संस्कृति में महिला की गरिमामय स्थिति और सामाजिक विकास यात्रा में महिलाओं के योगदान की महत्वपूर्ण भूमिका से इंकार नही किया जा सकता है। जिसको रेखांखित करते हुए उन्होंने शिक्षा पर प्रकाश डाला। जेसीआई जौनपुर चेतना की फाउंडर प्रेसिडेंट मेघना रस्तोगी ने कहा की कहा कि भारत मे नारियों को मौलिक अधिकार, मतदान का अधिकार और शिक्षा का अधिकार तो प्राप्त है लेकिन आज भी स्त्रियां अभावों में जिन्दगी बीता रही है। समाज के विभिन्न क्षेत्र में कार्य करने वाली महिलाओं में एडवोकेट उर्वशी सिंह को समाजसेवा के क्षेत्र में, सरोज सिंह महिला थाना अध्यक्ष को सुरक्षा के क्षेत्र में, डॉ शैली निगम को चिकित्सा के क्षेत्र में, बिट्टू किन्नर को समाजसेवा के क्षेत्र में, ऊषा गुप्ता को व्यवसाय के क्षेत्र में, रजनी सोनी को पत्रिकारिता के क्षेत्र में, आरती

शुक्ला को शिक्षा के क्षेत्र में को अंग वस्त्र, फूल माला और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर सम्मानित होने वाली विभूतियों ने कहा की हम खुद सुनिश्चत करें कि हम किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अंजू पाठक ने कहा कि वह सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक आदि सभी कार्य करने में सक्षम है। सशक्तिकरण का मतलब सिर्फ शक्ति का अधिग्रहण ही नही अपितु अपनी शक्ति प्रयोग की क्षमता का विकास करना है। संचालन सचिव वंशिका सिंह ने करते हुए सभी महिलाओ को महिला दिवस की बधाई दी और कार्यक्रम संयोजक ज्ञानेश्वरी गुप्ता ने सभी के प्रति आभार प्रकट करते हुए महिला दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व अध्यक्ष नीतू गुप्ता, चारु शर्मा, मधु गुप्ता, रीता कश्यप, फर्स्ट लेडी आफ द जोन 2020 अनीता सेठ, कोषाध्यक्ष मीना गुप्ता, सारिका सेठ, डॉली गुप्ता, रोशनी केसरवानी, ममता गुप्ता, चंदा बरनवाल, मिनू बरनवाल, शिवांगी खरे, गायत्री जायसवाल, ज्योति शाह, ममता कश्यप, अन्य लोग उपस्थित रहे!

स्कूल बस व पिकअप में टक्कर पांच बच्चे घायल

मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी बच्चों को अस्पताल में कराया भर्ती इलाज के बाद भेजे गए घर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। केराकत कोतवाली थाना क्षेत्र में एक स्कूल मिनी बस में तेज रफ्तार पिक अप ने टक्कर मार दी।जिसमें बस में बस में सवार पांच बच्चों को हल्की चोटें आई है।तथा बस और पिक अप के ड्राइवर घायल हो गए है।सूचना के बाद मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने सभी घायल बच्चों व ड्राइवर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया।सोमवार को सुबह भारतीय इंटर कॉलेज बजरंगनगर डोभी की स्कूल बस बच्चों को लेकर कॉलेज के लिए जा रही थी तभी आजमगढ़ की तरफ से तेज रफ्तार पिक अप गाड़ी ने जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि पिक अप गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई तथा स्कूल बस आगे से क्षतिग्रस्त हो गई।बस के लगभग 25 बच्चे सवार थे। जिसमें से पांच बच्चों को मामूली चोट आई है वही एक छात्रा के हाँथ में फैक्चर बताया जा रहा है।सभी को पुलिस ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया है।बाकी सभी स्कूली बच्चों को सुरक्षित उनके घर पहुंचा दिया गया है। पिक अप गाड़ी व स्कूली ड्राइवर को काफी चोटें आई है।दोनो ड्राइवर को पुलिस ने इलाज के लिए सीएचसी भिजवा दिया है। वही सीओ केराकत प्रतिमा वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि स्कूली वैन और पिक अप में टक्कर हो गयी थी। स्कूल वैन में सवार पांच बच्चों को मामूली चोटें आई है वही

एक छात्रा को हाँथ में फैक्चर है तथा दोनो ड्राइवर भी घायल है जिनका इलाज चल रहा है।इलाज के बाद सभी बच्चों को सुरक्षित उनके घर पहुंचा दिया गया है।

जौनपुर महोत्सव में कलाकारों को किया गया सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर महोत्सव के प्रथम दिन 10 मार्च को सायं काल में स्थानीय कलाकारों द्वारा शाही किला के प्रांगण में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार खेल एवं युवा कल्याण श्री गिरीश चंद्र यादव जी द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। संस्कृति विभाग के पंजीकृत गायकों राहुल पाठक, आशीष पाठक सपना शर्मा आदि द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई। साथ ही परिषदीय विद्यालयों के बच्चो ने भी नृत्य के माध्यम से दर्शकों का मन मोहा। माननीय मंत्री जी ने प्रस्तुति देने वाले कलाकारों को अंगवस्त्रम तथा मोमेंटो देकर सम्मानित भी किया। इस दौरान माननीय विधायक शाहगंज रमेश सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह, अन्य जनप्रतिनिधि गण, पर्यटन सूचना अधिकारी सुश्री मनोकामना राय, डी.सी.एन.आर.एल.एम. ओपी यादव, बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल सहित स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

माह–ए–रमजान में होते हैं 3 अशरे, जिले की मस्जिदों में तैयारियां पूर्ण

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

पाक महीना रमजान को लेकर मस्जिदों में तैयारियां पूरी हो गई है वहीं महिलाएं रोजा इफ्तार के लिए बाजारों में खरीदारियों के लिए जुट गई है।रमजान का महीना 12 मार्च 2023 से शुरू होगा। रमजान का महीना 30 दिनों का होता है और पूरे महीने मुसलामन रोजा रखते हैं। शिया धर्म गुरु मौलाना फरमान अली बताते हैं कि

रमजान महीने के 29 या 30 दिनों को तीन भागों में बांटा गया है, जिसे अशरा कहा जाता है. इस तरह से रमजान में पहला अशरा, दूसरा अशरा और तीसरा अशरा होता है। अरबी में अशरा का मतलब 10 है. इस तरह से रमजान के महीने का पहला अशरा 1–10 दिनों का, दूसरा असर 11 से 20 दिनों का आखिरी यानी तीसरा अशरा 21 से 30 दिनों का होता है. इन्हीं तीन भागों में बंटे 30 दिनों को तीन अशरा कहा जाता है।

रमजान के तीन अशरे का महत्व मौलाना वजीहुल बताते हैं कि रमजान के 30 दिनों को 3 अशरों में बांटा गया है। इसमें पहला अशरा रहमत, दूसरा असरा मगफिरत (गुनाहों की माफी) और तीसरा अशरा जहन्नुम की आग से खुद को बचाने के लिए होता है. ऐसी मान्यता है कि रमजान के पहले अशरे में जो लोग रोजा

रखते हैं और नमाज अदा करते हैं उनपर अल्लाह की रहमत होती है. दूसरी अशरे में मुसलामन अल्लाह की इबादत करते हैं और अल्लाह उनके गुनाहों को माफ कर देते हैं. वहीं आखिरी और तीसरे अशरे की इबादत और रोजा से जहन्नुम या दोजख से खुद को बचाया जा सकता है. इस तरह से इस्लाम में रमजान के तीन अशरे का महत्वपूर्ण बताया गया है.

रमजान में क्या करें क्या नहीं

रमजान के पाक महीने में ज्यादा से ज्यादा समय अल्लाह की इबादत, धार्मिक किताबों का पाठ और नेक कामों में बिताएं.

इसलिए रमजान में इबादत, तिलावत, जिक्र, तौबा और इस्तेगफार आदि करें. कुरआन हदीस में जिन कामों को करना मना है, उन्हें रमजान के महीने में बिल्कुल न करें.

माह–ए–रमजान में खैर का काम, नेकी, सदका, जकात, खैरात, मदद जैसे कामों को मुख्तसर तौर पर करें।

शरीअत के अनुसार जिन कामों को हराम माना गया है, उन कामों को रमजान के महीने में करने से बचें।

रमजान में 5 वक्त की नमाज जरूर अदा करनी चाहिए।इस महीने किए इबादत का 70 गुना सवाब मिलता है।

रमजान में झूठ बोलने, बेजुबानों को सताने, चुगली करने जैसे कामों से बचें।

'13 मार्च को बल्दीराय उपनिबंधक कार्यालय का होगा उद्घाटन'

सुल्तानपुर। आठ साल से बल्दीराय तहसील वासी उपनिबंधक कार्यालय का इंतजार कर रहे थे। उपनिबंधक कार्यालय के लिए शासन से मंजूरी मिल गई है। बुधवार को राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार स्टांप न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन रवींद्र जायसवाल किराये के भवन में संचालित होने वाले उपनिबंधक कार्यालय का उध्द्घाटन करेंगे। संचालन से तहसील क्षेत्र के लोगों की परेशानी दूर हो जाएगी।बल्दीराय तहसील की स्थापना वर्ष 2016 में हुई थी। आठ साल बाद भी यहां उपनिबंधक कार्यालय नहीं था। इसके चलते किसानों को अपनी जमीन क्रय–विक्रय के लिए कुछ गांव के लोग सदर तहसील व कुछ किसान अमेठी जिले के मुसाफिरखाना तहसील जाते थे। बैनामा के बाद उनकी दाखिल खारिज बल्दीराय में होती थी।इसकी वजह से किसानों को काफी असुविधा होती थी। सहायक महानिरीक्षक निबंधन धर्मेंद्र कुमार चौधरी ने कहा कि जनता की परेशानियों को देखते हुए शासन ने उपनिबंधक कार्यालय के लिए मंजूरी दे दी है। इसके लिए बल्दीराय बाजार में किराये का मकान लिया गया है। इसी मकान में अभी उपनिबंधक कार्यालय संचालित किया जाएगा।

पीएम मोदी ने वर्चुअल बटन दबाकर 99 करोड़ की 25 सड़कों का किया लोकार्पण

सुलतानपुर। जनपद की पांचों विधानसभाओं में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनान्तर्गत बनी 9916.82 लाख रुपए की लागत से 149.640 किलोमीटर सड़कों का वर्चुअल लोकार्पण आजमगढ़ से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिले को सड़कों की सौगात दी। विकास खंड कुड़वार के ग्राम पंचायत भण्डरा परसरामपुर में आयोजित जनपद स्तरीय लोकार्पण कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य शैलेंद्र प्रताप सिंह ने बटन दबाकर सड़कों का लोकार्पण किया। उन्होंने अपने सम्बोधन कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश का मान सम्मान विश्व स्तर पर बढ़ा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्तर पर क्षेत्र का चहुंमुखी विकास हो रहा है। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि योगेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ बब्लू सिंह ने लोगों को संबोधित करते कहा कि क्षेत्र प्रदेश और देश का विकास तेज गति से हो रहा है।सपा विधायक इसौली मोहम्मद ताहिर खान ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसौली विधानसभा में

भदहरा से प्रतापपुर 7.200 किलोमीटर 447.5, रंकेडीह से घुसियरिया 5.225 किलोमीटर 377. 17 लाख रुपए की लागत से सड़क का निर्माण हुआ है।इस अवसर पर अधिशासी अभियंता विजय चंद्रा, धर्मेंद्र कुमार, सुरेंद्र सिंह, वेद प्रकाश कश्यप, गोकुल यादव, अधिशासी अभियंता जेई कृष्ण कुमार मिश्र, आलोक कुमार सिंह, राधेश्याम यादव, मनीष, हिमांशु पाण्डेय, भंडरा ग्राम प प्रधान सतई राम, ग्राम विकास अधिकारी संतोष पाल आदि उपस्थित रहे।

मॉडर्न के बेरुगंज कैंपस के बच्चों ने किताबों के अलावा देखा व जाना ऐतिहासिक धरोहर

अयोध्या। मॉडर्न ग्रुप ऑफ स्कूल्स के छात्रों ने अपनी शिक्षा के दौरान अयोध्या का ऐतिहासिक ध रोहर अनुभव करने का एक अद्वितीय अवसर प्राप्त किया। इस भ्रमण में, छात्रों ने अयोध्या के प्रमुख स्थलों,कंपनी गार्डन तथा गुप्तार घाट की यात्रा करके उनके महत्व को समझा। इस ऐतिहासिक नगर के सांस्कृतिक और धार्मिक पहलुओं को समर्थन किया। गुप्तार घाट मे बच्चों को बताया गया यहा। यहां पर प्रभु श्री राम जी ने जल समाधि ा ली और उसके बाद बच्चों ने कंपनी गार्डन मे पूरे दिन खेल कूद और मनोरंजन किये।यह उन्हें अपने राष्ट्रीय और सांस्कृतिक विरासत के प्रति समर्पित करने का एक अद्वितीय अवसर प्रदान करता है।यह जानकारी देते हुए मॉडर्न ग्रुप आफ स्कूल के प्रबंधक रमेश चंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि इस ऐतिहासिक भ्रमण से छात्रों ने किताबो से निकलकर सीखने की की प्रेरणा लीद्य इस मौके पर स्कूल की लीडर कोऑर्डिनेटर शिवानी पांडे तथा अनूप वर्मा, सूरज तिवारी, नीलम तिवारी, निधि श्रीवास्तव एवं आयुषी मिश्रा और स्कूल के बच्चे सम्मिलित रहे।

गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ हायर स्टडीज महाविद्यालय में पोस्टर और चित्रकला कार्यशाला आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पूरे भारत में विकसित भारत के राजदूत राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय और ललित कला अकादमी के कोलाब्रेशन से एक दिवसीय कार्यशाला की विशाल मुहिम चलायी गयी, जिसमे देश भर के कालाकारों तथा छात्र कलाकारों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यशाला का संचालन छळड। के महानिदेशक डॉ संजीव किशोर गौतम ने ऐतिहासिक पुराना किला दिल्ली से किया।

उन्होंने ने अपने संदेश के माध्यम से कहा यह सिर्फ कलाकारों का जमावड़ा नहीं है, बल्कि प्रगति और विकास की दिशा में एक सामूहिक यात्रा है, जो सांस्कृतिक रूप से समृद्ध भारत के लिए हमारे दृष्टिकोण को मूर्त रूप देती है।

इसी कड़ी के रूप में गोयल इंस्टीट्यूट आफ हायर स्टडीज महाविद्यालय, लखनऊ में पोस्टर और चित्रकला कार्यशाला का आयोजन हुआ, जिसमे 60 से अधिक छात्र और छात्राओं ने हिस्सा लिया।

कलाकारों ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से देश के भविष्य की कल्पना करते हुए शविकसित भारत के राजदूतश के रूप में सुन्दर कृतियों का सृजन किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉक्टर संतोष पाण्डेय ने की तथा समन्वयक के रूप में राकेश प्रभाकर ने निर्वहन किया।

कार्यक्रम में सहयोगी के रूप में विभाग की अध्यक्ष शिखा पाण्डेय तथा अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

प्रदेश सरकार के काद्यावर मंत्री नितिन अग्रवाल ने किया इंटरलाकिंग का लोकार्पण

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) नगर के सिनेमा चौराहे से लखनऊ चुंगी तक नगर विधायक एवं उत्तर प्रदेश सरकार के कद्यावर मंत्री नितिन अग्रवाल की निधि से दोनों तरफ हुई इंटरलॉकिंग का लोकार्पण नितिन अग्रवाल ने सिलापट पूजन के साथ किया इस मौके पर कार्यकर्ताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया तथा उनके समक्ष नाला निर्माण की मांग भी रखी गई जिसे उन्होंने स्वीकार करते हुए नाला निर्माण करने के लिए पालिका अध्यक्ष को निर्देशित किया इसके अलावा नगर में पार्कों के निर्माण तथा अन्य विकास कार्यों को लेकर सतत प्रयास रत रहने की बात भी कहीं। इस दौरान मंत्री जी नगर में हो रहे अतिक्रमण को लेकर खासे चिंतित दिखे। लखनऊ रोड पर उत्सव हेल्थ मेडिकल के सामने सभासद प्रियम मिश्रा द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के काद्यावर मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा उन्होंने कभी कानून व्यवस्था को खराब नहीं होने दिया सदैव ही गुंडों माफियाओं को कुचलने का काम किया उन्होंने जहां शिक्षा और स्वास्थ्य को लेकर सजग दिखे वहीं बिजली के लाइन और ट्रांसफार्मरो को ऊंची कृत करवरकर नगर वासियों को बिजली की समस्या से राहत दिलाई उन्होंने बाबा मंदिर के पास पड़ी जमीन पर पार्क बनाने की भी घोषणा की मंत्री श्री अग्रवाल ने बताया उन्होंने मुख्यमंत्री से कहकर जिले को राज्य राजधानी क्षेत्र में शामिल करवाया उन्होंने

नौनिहालों के द्वारा मोबाइलों के अधिकतर प्रयोग पर चिंता जताते हुए इस घातक बताया श्री अग्रवाल ने कहा कि वह चाहते हैं कि हर मोहल्ले में पार्क बने जिसमें बच्चे खेलने जाएं जिससे उनका स्वास्थ्य और मानसिक स्तर ठीक रहे। कार्यक्रम में मंच पर डॉक्टर एपी सिंह पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष विद्याराम वर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष माधुर मिश्र और शौर्य वर्धन सिंह मौजूद रहे । कार्यक्रम को शौर्यवर्धन सिंह पूर्व सभासद मुन्ना वर्मा सभासद प्रियम मिश्रा ने भी संबोधित किया माननीय मंत्री जी का स्वागत राजकुमार गुप्ता सभासद, बबलू पत्रकार, सुशील गुप्ता अध्यक्ष सनमानी धर्मशाला, राजीव गुप्ता पूर्व सभासद, प्रकाश चंद गुप्ता, रानू त्रिवेदी सभासद, प्रभाकर अग्निहोत्री सभासद,दीपक चौहान, अनुज सिंह मवैया, सर्वेंद्र गुप्ता सदस्य जिला पंचायत,गौरव श्रीवास्तव, सुयश खरे, सुधीर श्रीवास्तव, मुन्ना नेता सभासद, सचिन मिश्रा सदस्य जिला पंचायत, शानू भाई, लिट्टे नेता, पुनीत मिश्रा सभासद, आशीष गुप्ता रेमंड शो रूम, बालाजी गुप्ता केटर्स, दीपू त्रिपाठी, प्रदीप गुप्ता प्रधान मोहलिया, पुनीत गुप्ता जे ई, महेश गुप्ता प्रधान दलेलनगर. आशीष पांडे पप्पू त्रिवेदी पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ बीके गुप्ता आदि सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संदीप कैलाश गुप्ता ने किया।

अभी खत्म नहीं हुईं आयोग की चुनौतियां

प्रयागराज, संवाददाता। समीक्षा अधिकारी (आरओ)/ सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा–2023 में पेपर लीक प्रकरण में परीक्षा निरस्त किए जाने के बाद उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के सामने आने समय में कुछ दूसरी चुनौतियां बाकी हैं। भविष्य में होने वाली परीक्षाओं में प्रश्न पत्रों की सुरक्षा आयोग के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी। आरओ/एआरओ परीक्षा निरस्त किए जाने के बाद पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2024 भी स्थगित कर दी गई, लेकिन एक माह में आयोग को तीन परीक्षाएं करानी हैं। आयोग के कैलेंडर में 22 मार्च को स्टाफ नर्स (यूनानी/आयुर्वेदिक) (पुरुष/महिला) प्रारंभिक परीक्षा–2023, सात अप्रैल सहायक नगर नियोजक प्रारंभिक परीक्षा–2023 और नौ अप्रैल से अपर निजी सचिव परीक्षा–2023 के तहत शॉर्टहैंड एवं टाइपिंग की परीक्षा है। इसके बाद 24 अप्रैल को स्टाफ नर्स एलोपैथी (पुरुष/महिला) मुख्य परीक्षा–2023 का आयोजन किया जाएगा। स्टाफ नर्स यूनानी/आयुर्वेदिक के 300 पदों और सहायक नगर नियोजक के 24 पदों पर भर्ती होनी है। आरओ/एआरओ और पीसीएस परीक्षा के मुकाबले इन दोनों भर्ती परीक्षाओं में अभ्यर्थियों की संख्या काफी कम होगी। हालांकि, परीक्षा केंद्र दूसरे जिलों में भी बनाए जाएंगे। आगामी परीक्षाओं में प्रश्न पत्रों की सुरक्षा आयोग के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

मार्च 2025 तक हो जाएगा परकोटे का कार्य पूरा

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। अयोध्या में राम मंदिर के भावी निर्माण की योजना और मंदिर निर्माण को लेकर दो दिवसीय प्रगति समीक्षा बैठक हुई।इस मौके पर रामनवमी की तैयारी को लेकर बैठक में फोकस रहा। यहां सुरक्षा व्यवस्था के लिए एफआर (फेस रिकग्निशन) लगाने का निर्देश दिया गया है। इस बैठक में यह निर्णय लिया गया कि रामनवमी के मुख्य पर्व पर रामलला का सूर्य के प्रकाश से अभिषेक किया जाएगा। इसके अतिरिक्त रामलला के दर्शनार्थियों के लिए फ्लॉपी बैरिकेडिंग का भी प्रस्ताव रखा गया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के न्यासी अनिल मिश्र ने बताया, जन्मभूमि पथ से लेकर यात्री सुविधा केंद्र (पीएफसी) और पीएफसी से फ्रिस्किंग क्षेत्र होते हुए परकोटे तक एलेमिक स्टील की बैरिकेडिंग की जाएगी। उन्होंने बताया, इस बैरिकेडिंग के मध्य में दर्शनार्थियों के बैठने के लिए जगह–जगह बेंच स्थल बनाने का भी प्रस्ताव है।ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या ना हो। इसके अतिरिक्त सभी मार्गों पर जगह–जगह पीने के पानी की व्यवस्था भी करने की योजना है। 10 अप्रैल तक तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र के भूतल का काम पूरा कर लिया जाएगा। सात हजार नए लॉकर लगाने का काम तेजी से चल रहा है।

रन फॉर राम मे विजेताओं को नकद पुरस्कार देकर किया गया सम्मानित

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। रामनगरी में आयोजित रन फॉर राम में लगभग तीन हजार प्रतिभागियों ने दौड़ में हिस्सा लिया।इस प्रतियोगिता में 21 किमी, 10 किमी व 3 किमी की रेस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हनुमान जी के चित्र पर माल्यार्पण करने के बाद आरएसएस के प्रांत प्रचारक कौशल, नगर निगम के महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्र, विधान परिषद सदस्य अंगद सिंह, नारायण सिंह राणा, अवनीश, सुधा सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, डॉ अवधेश वर्मा ने धावकों को ध्वज दिखाकर रवाना किया। 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन के महिला वर्ग में हरियाणा की सोनिया व पुरुष वर्ग में काशी के रंजीत ने बाजी मारी।दोनों विजेताओं को एक लाख पचास हजार रुपये का पुरूस्कार व मेडल देकर सम्मानित किया गया।10 किमी महिला दौड़ का प्रथम तमसी सिंह, द्वितीय 21000 ज्योति चौहान महाराष्ट्र व तृतीय दीपू कश्यप रहीं।पुरुष वर्ग में प्रथम अभिषेक कुमार हापुड़, द्वितीय अजय कुमार दिल्ली व तृतीय पंकज कुमार बनारस रहे। प्रथम को इक्यावन हजार द्वितीय को इक्कीस हजार तथा तृतीय को ग्यारह हजार रूपये तथा मेडल देकर सम्मानित किया गया।प्रतियोगिता के दौरान कर्नल प्रणय सिंधु पांडे, जेएसडब्ल्यू के जतिन सिंह, आशा सिंह, सहायक नगर आयुक्त अशोक कुमार गुप्ता, श्रीनिवास शास्त्री, सहित कई लोग मौजूद रहे।

राम नगरी पहुंचकर सीएम राजस्थान ने किया रामलला का दर्शन–पूजन

माना भाग्यशाली कहा मन प्रसन्न हो गया

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार सुबह अयोध्या पहुंचे।उन्होंने कहा आज रामनगरी में आकर मन प्रसन्न हो गया।इससे पहले जब कभी भी रामलला के दर्शन किए थे तो टेंट में किए थे और अब भव्य और दिव्य मंदिर में दर्शन हो रहे हैं।अपने आप को सौभाग्यशाली मान रहा हूं, कितना बड़ा काम हुआ है। अब राम लला के दर्शन भव्य और दिव्य मंदिर में हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बहुत–बहुत धन्यवाद कि उन्होंने देश में सबसे बड़े इस सांस्कृतिक महत्व वाले केंद्र में इतना विशाल राम लला का मंदिर बनवाया।उन्होंने कहा कि राम हमारे रोम–रोम में बसते हैं। राम हमारी आस्था के केंद्र हैं। लोकसभा चुनाव पर बोले मुख्यमंत्री, कहा सभी जगह राम की महिमा है, भगवान राम जो करेंगे अच्छा करेंगे।राजस्थान विधानसभा के स्पीकर वासुदेव देवलानी ने कहा कि आज अयोध्या आकर के अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। जो हम बरसों से आंदोलन करते थे हमने जो ईंटों का पूजन किया था, वह साकार हुआ और प्रत्यक्ष अब दर्शन करने का अवसर मिला है। राजस्थान व अयोध्या का रिश्ता बहुत पुराना है। सनातन और संस्कृति में इसका उल्लेख है। राजस्थान की वीर भूमि से राम जी का पुराना नाता रहा है, यह केवल मंदिर ही नहीं है विश्व का सबसे बड़ा सांस्कृतिक केंद्र बनने जा रहा है। सारा विश्व इससे आध्यात्मिक चेतना भी लेगा। इस मंदिर में सिर्फ हिंदू नहीं विश्व के सभी धर्म के लोग यहां आकर प्रेरणा लेंगे। भारत का विश्व गुरु का जो स्थान था जल्द ही पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत को विश्व गुरु का दर्जा मिल जाएगा।

ऊर्जा के विकल्प के रूप में सोलर एनर्जी को बढ़ावा दे रही सरकार – शिवम श्रीवास्तव

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। शिवम श्रीवास्तव डायरेक्टर एस एस सोलर एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड ने बताया कि ऊर्जा के विकल्प के रूप में सरकार सोलर एनर्जी को बढ़ावा दे रही। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में राष्ट्रीय सोलर और इलेट्रिक व्हीकल एक्सपो 2024 सम्पन्न हुआ। एक्सपो 2024 में सोलर पैनल बनाने और इससे चलने वाले कई उपकरणों का एग्जीबिशन लगाया गया था। यहां पर आधुनिक सोलर पैनल से घर, अस्पताल और उद्योग में बिजली आपूर्ति का विकल्प दिया गया है।

एस एस सोलर एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी, घर, अस्पताल और इंडस्ट्री में बिजली आपूर्ति का विकल्प दे रही है। डायरेक्टर सुभाष श्रीवास्तव ने कहा कि सोलर स्ट्रीट लाइट से गांव–गांव रोशन हो रहा है।

माघ मेला प्रयागराज सकुशल सम्पन्न होने पर मेला प्रभारी डीआईजी डा. मिश्र व उनकी टीम हुई सम्मानित

पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा व डीआईजी/माघ मेला प्रभारी डा. मिश्र ने सभी कर्मियों का जताया आभार

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। तीर्थराज प्रयाग में त्रिवेणी के पावन संगम तट पर सबसे बड़े धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन माघ मेला 2024 का प्रथम स्नान पर्व मकर संक्रान्ति से प्रारंभ होकर अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि तक चलने वाला पर्व सकुशल व निर्विघ्न संपन्न हुआ।54 दिन चले इस माघ मेले में गंगा,यमुना तथा अदृश्य सरस्वती के पवित्र संगम में पुण्य अर्जन का भाव संजोए देश के कोने कोने से आए करोड़ो श्रद्धालुओं ने आस्था एवं पुण्य की डुबकी लगाई।इतने बड़े स्तर के आयोजन को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये पुलिस कमिश्नर प्रयागराज रमित शर्मा व डीआईजी पीएसी कानपुर सेक्टर नगर के साथ साथ प्रभारी माघ मेला रहे डॉ राजीव नारायण मिश्र ने इसमें शामिल सभी कर्मचारियों को आभार जताया।बताते चलें कि माघ मेला 2024 में श्रद्धालुओंध स्नानार्थियों के सुगम आवागमन, सुरक्षित स्नान तथा सुरक्षित प्रवास हेतु समस्त पुलिस प्रबंध सुनिश्चित किए गए।लगभग 750 हेक्टेयर में फैले संपूर्ण मेला क्षेत्र को पुलिस व्यवस्था के दृष्टिगत 03 जोन, 05 सेक्टरों व 08 सर्किलों में विभाजित कर 14 थानों (01 महिला थाना व 01 जल पुलिस थाना), 14 अग्निशमन केंद्रों और 41 चौकियों को व्यवस्थापित किया गया । संगम क्षेत्र को झूंसी क्षेत्र से जोड़ने हेतु 06 पाण्टून पुलों का निर्माण किया गया। श्रद्धालुओं के सुरक्षित स्नान हेतु संगम सहित सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में 22 स्नान घाटों सहित 02 नाव घाटों को विकसित किया गया।श्रद्धालुओं के सुरक्षित आवागमन हेतु स्नान घाटों के निकटतम ही 07 पार्किंग स्थलों की समुचित व्यवस्था की गयी।जिस पर पैनी नजर मेला प्रभारी डॉ मिश्र की रही।वही मेले को सकुशल संपन्न कराने हेतु 01 पुलिस उप महानिरीक्षक,01नोडल पुलिस अधीक्षक,04 अपर पुलिस अधीक्षक,12 पुलिस उपाधीक्षक, 22 निरीक्षक व लगभग 5000 पुलिस कर्मियों सहित नागरिक पुलिस, महिला पुलिस, यातायात पुलिस, जल पुलिस, पी0ए0सी0, एनडीआरएफ, एलआईयू, एटीएस, रेडियो दूरसंचार, घुड़सवार

पुलिस, फायर सर्विस, डॉग स्क्वायड, बीडीडीएस, एएस चेक टीम, पीआरडी, तथा होमगार्डों के जवानों के साथ साथ स्वयं सेवी संस्थाओं की तैनाती रही।मेला क्षेत्र में सतर्क दृष्टि, नियंत्रण एवं समन्वय रखने के लिए मेला नियंत्रण कक्ष, श्इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटरश, सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन, वायरलेस ग्रिड, पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से सम्यक संचार व्यवस्था स्थापित की गई । स्नान घाटों पर श्डीप वाटर बैरिकेटिंगश की गई तथा स्नान घाटों में बैरिकेटिंग के साथ साथ जल पुलिस, एनडीआरएफ व पीएसी की बाढ़ राहत कंपनियों के जवानों के साथ गोताखोरों व डीप ड्राइवर की नियुक्ति की गई।माघ मेला 2023–24में विभिन्न तिथियों में प्रस्तावित कुल 07 प्रमुख स्नान जिसमें मकर संक्रांति पर्व (15.01.2024) पर लगभग 29 लाख,पौष पूर्णिमा पर्व (25.01.2024) पर लगभग 10 लाख,मौनी अमावस्या पर्व (09.02.2024) पर लगभग 02. 18 करोड़,बसंत पंचमी पर्व (14.02. 2024) पर लगभग 43 लाख,अचला सप्तमी पर्व (16.02.2024) पर लगभग 30 लाख,माघी पूर्णिमा पर्व (05.02. 2024) पर लगभग 38 लाख,महाशिवरात्रि पर्व (18.02.2024) पर 10 लाख, साधू सन्यासियों, महंतो, संस्था प्रमुखों, श्रद्धालुओं तथा विशिष्ट अतिथियों द्वारा संगम क्षेत्र में स्नान तथा भ्रमण किया गया।सामान्य दिवसों में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का स्नान व आवागमन जारी रहा । मेला क्षेत्र में स्नानार्थियोंध्श्रद्धालुओं के आगमन हेतु 21 प्रमुख प्रवेश द्वारा बनाये गये जहां सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक पुलिस प्रबन्ध किये गये।माघ मेला के दौरान उच्च न्यायालय के विभिन्न माननीय न्यायमूर्तियों तथा विशिष्ट महानुभावों का निर्दिष्ट प्रोटोकॉल तथा सम्यक सुरक्षा प्रदान करते हुए सकुशल आवागमन सुनिश्चित कराया गया।समस्त नाविक संचालकों एवं मल्लाहों का नियमानुसार लाइसेंस निर्गत करते हुए सभी को निर्देशित किया गया कि अपनी नावों में क्षमता के अनुरुप ही स्नानार्थियोंध्श्रद्धालुओं को बिठायेंगे एवं स्नान हेतु आये स्नानार्थियोंध्श्रद्धालुओं को 'लाइफ सेविंग जैकेट' अनिवार्य रूप से पहनाना सुनिश्चित करेंगे जिससे दुर्घटना होने से बचाया जा सके।माघ मेला 2024 को सकुशल व निर्विघ्न संपन्न कराने में आवंटित विभिन्न इकाइयों के समस्त पुलिस बल द्वारा अत्यंत ही निष्ठा पूर्वक अपने पदीय कर्तव्यों का निर्वहन किया गया । समस्त अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों के संयुक्त योगदान तथा वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन के फलस्वरूप माघ मेला वर्ष 2023–24 सकुशल एवं निर्विघ्न रूप से संपन्न हुआ। प्रभारी माघ मेला डॉ राजीव नारायण मिश्र द्वारा मेले में सराहनीय योगदान देने वाले पुलिस कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।इसी क्रम में मेले को सकुशल एवं निर्विघ्न रुप से संपन्न कराने में समस्त पुलिस बल को कुशल नेतृत्व प्रदान करते हुए सराहनीय योगदान देने हेतु पुलिस उप महानिरीक्षकध्प्रभारी माघ मेला डॉ राजीव नारायण मिश्र को पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज रमित शर्मा आईपीएस, अपर पुलिस आयुक्त एन कोलांची के द्वारा संयुक्त रूप से प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया ।

गोमती तट पर पांच हजार महिलाओं ने सामूहिक सुंदरकांड कर इतिहास रचा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पीले वस्त्रों में आई हजारों महिलाओं ने आज गोमती नदी के तट पर झूलेलाल वाटिका पार्क में सामूहिक सुंदरकांड का पाठ किया। समाजसेविका सपना गोयल की अगुवाई में आयोजित इस महाअनुष्ठान का आरंभ लोकप्रिय गायक पंकज मिश्रा (दिल्ली) के भजन ष्राम आएंगेष से हुआ। हनुमान चालीसा पाठ के बाद सुंदरकांड के सरस पाठ की अगुवाई भी पंकज मिश्रा ने ही की। इस क्रम में विद्द्योलमा शक्तिपीत की रजनी शुक्ला के निर्देशन में गणेश वंदना श्जयदेव जयदेव जय मंगलमूर्तिश पेश की गई। उनके ही निर्देशन में रामोत्सव के अंतर्गत प्रभु राम के जन्म से लेकर होलिकोत्सव तक के विविध प्रसंगों को नृत्य के माध्यम से प्रभावी रूप से पेश किया गया। इन प्रस्तुतियों में विशाल, अरुण, दिशा, सौनाली, अर्चना, रेखा, नीतू, दिव्या, सृष्टि राज, नमन, अंशिका, शानवी, गुड़िया, ताशी सहित अन्य ने उत्साह के साथ भाग लिया। इस आयोजन में छितवापुर स्थित श्रीशिव प्रसाद संस्कृत महाविद्यालय के बटुकों ने मंगलाचरण का मधुर पाठ किया। बीना श्रीवास्तव के हनुमान महाराज के भजन के उपरांत नैमिषारण्य तीर्थ से आमंत्रित 12 ब्राह्मणों ने विधि विधान से आरती भी की। बाद में, सभी आगंतुकों को प्रसाद भी वितरण किया गया। आमंत्रित विशिष्ट अतिथियों में महंत देव्यागिरि सहित कई अन्य शामिल रहे।

इस अवसर पर सपना गोयल ने अपने ओजस्वी सम्बोधन में

आह्वान किया कि हर सनातनी स्थानीय मंदिरों पर हर मंगलवार को एकत्र होकर सुंदरकांड का पाठ अवश्य करें। सपना गोयल श्रीपरमान्द हरि हर मन्दिर की संस्थापक है, इनके प्रयासों से धर्म जागरण के साथ–साथ नारी सशक्तिकरण को भी बल मिल रहा है। सामूहिक सुंदर कांड पाठ में इंदिरा नगर निवासी श्रीमती वत्सला, नीलम दीक्षित, रामेश्वरी मिश्रा, मृदुला गुप्ता, शर्मिला गुप्ता, बेबी पाण्डेय, नीलम पाण्डेय, पिंकी, किरण, पूनम पाण्डेय, रूबी राय, नीलम मिश्रा, ललिता, अनुराधा, सुषमा आदि की उपस्थिति खास रही।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या - 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।